- वर्ष-2
- अंक-198

रायपुर, मंगलवार
11 अप्रैल 2023

- पृष्ठ-6
- मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

प्रदेश में बंद का व्यापक असर

हिंदू युवक की मौत के बाद विश्व हिंदू परिषद ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया था, बिरनपुर में उमड़ा जनसैलाब

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा के सांप्रदायिक हिंसा के विरोध में आज राजधानी रायपुर सहित अधिकांश जगहों पर बंद का व्यापक असर देखने को मिला। राजधानी में प्रमुख बाजारों के साथ साथ बसों का परिचालन भी बंद रहा, वहीं, बस्तर संभाग में भी इसका असर देखने को मिला है. हालांकि, बिलासपुर के दुकानें खुली होने की जानकारी सामने आ रही है. बंद कराने निकले कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा एक यात्री बस में तोड़फोड़ की घटना भी सामने आई है। बेमेतरा के बिरनपुर गांव में हुई सांप्रदायिक घटना में एक हिंदू युवक की मौत के बाद विश्व हिंदू परिषद ने सोमवार को छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया था. भाजपा ने इसका समर्थन करते हुए रविवार को प्रमुख बाजारों में बंद के लिए समर्थन मांगा था. हालांकि, चेंबर ऑफ कॉमर्स ने घोषित रूप से समर्थन नहीं दिया, लेकिन राजधानी में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे हैं।

हिंसा के विरोध में बंद के दौरान एक बड़ी खबर सामने आई है। बिरनपुर के चेचानमेटा के एक घर में उपद्रवियों ने आग लगा दी। आगजनी के दौरान घर में रखा सिलेंडर भी फट गया। सिलेंडर के धमाके के बाद गांव के लोग इधर उधर भागते नजर आये। 40 से 50 उपद्रवी चेचानमेटा पहुंचे थे। इस दौरान उपद्रवियों ने एक घर में आग लगा दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस बल के साथ आईजी आनंद छाबड़ा पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा गया। आगजनी की घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

हत्यारों को फांसी दी जाए- साव

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने बेमेतरा के बिरनपुर गांव में हिंसा में मारे गए भुनेश्वर साहू के परिजनों से मिलने से रोके जाने पर 6 घंटे के धरने के बाद हिरासत में लिए जाने पर फोन पर सांत्वना देते हुए भाजपा की ओर से विश्वास दिलाया कि भाजपा भुनेश्वर को न्याय दिलाने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। भाजपा पीड़ित परिवार के साथ है। इस मौके पर बिरनपुर की सड़कों पर आक्रोशित जन सैलाब उतर गया। बिरनपुर में जिस तरह सामूहिक हमला बोल कर भुनेश्वर को मौत के घाट उतारा गया, उससे बिरनपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में भारी आक्रोश है। सर्वाधिक दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि इतनी बड़ी वारदात के बाद, एक निर्दोष युवक की नृशंस हत्या के बाद सरकार की ओर से शोक व्यक्त करने तक कोई नहीं पहुंचा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री इस तरह की जेहादी उन्मादी हिंसा को संरक्षण दे रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक और बड़े मंत्री संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो 38 नाम दिए गए हैं, उन सभी की गिरफ्तारी होनी चाहिए। उनके घर की जांच होनी चाहिए। उस गांव में बाहर से आकर जो लोग रह रहे हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। उन पर कार्रवाई होना चाहिए। हम कहते हैं कि भुनेश्वर के हत्यारों को फांसी की सजा होनी चाहिए।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा कि किसके संरक्षण में यह हिंसक वारदात हो रही हैं, इसका इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि सभी नामजद लोगों की गिरफ्तारी तो दूर की बात है, सरकार का कोई डाकिया तक शोक संवेदना लेकर भुनेश्वर के दुखी परिवार तक नहीं पहुंचा। तुष्टिकरण की बीमारी से पीड़ित सरकार की संवेदनाएं मर गई हैं। बेकसूर हिन्दू मारा जाए तो कोई अफसोस नहीं और किसी उन्मादी का नाखून भी कट जाए तो सरकार का कलेजा फटने लगता है। यह कैसा राजधर्म है? छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के संरक्षण में सुनियोजित तरीके से हिंदुत्व पर हमला हो रहा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के बिरनपुर पहुंचते ही लोग सड़कों पर उतर आए और देखते ही देखते विशाल जन रैली में तब्दील हो गए। पुलिस ने आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। पुलिस का घेरा तोड़कर हजारों लोग श्री साव के साथ धरने पर बैठे। छह घंटों तक वे जनता के साथ धरने पर बैठे रहे। पुलिस ने उन्हें भुनेश्वर साहू के परिवार से मिलने जाने नहीं दिया और आखिरकार उन्हें अन्य नेताओं के साथ हिरासत में लिया और थाने ले जाने की बजाय अंधेरे में डूबे रेस्ट हाउस में ले जाया गया।

भुनेश्वर के परिवार को 1 करोड़ मुआवजा दे सरकार- सलीम राज

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी डॉ. सलीम राज ने कहा है कि इस वारदात से छत्तीसगढ़ का मुस्लिम समाज बहुत दुखी है। ऐसी जेहादी उन्माद की वारदातों से मुस्लिम समाज को शर्मसार किया जा रहा है। पहले कभी छत्तीसगढ़ में ऐसी नफरत की गाजरघास यहां पनप नहीं सकी। छत्तीसगढ़ अमन चैन का टापू रहा है। कांग्रेस ने रोहिंग्या मुसलमानों को बसाकर छत्तीसगढ़ को जेहादी उन्माद की आग में झोंक दिया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश प्रभारी डॉ. सलीम राज ने कहा कि भारत का मुसलमान राष्ट्र भक्त है। भारत का मुसलमान भारत की संस्कृति के अनुसार आचरण करता है। जेहादी उन्माद के शिकार हुए भुनेश्वर के परिवार को राज्य सरकार एक करोड़ मुआवजा दे।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

किसकी नजर लगी छत्तीसगढ़ को

छत्तीसगढ़ राज्य बनने से पहले जब यह मध्यप्रदेश का हिस्सा था तब इस क्षेत्र की पहचान सीधे-साधे भोले-भाले लोगों से थी। आज भी पूरे देश में छत्तीसगढ़िया पहचान सभी को स्वीकार करने वाले लोगों की है, इसीलिए कहा जाता है छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया। लेकिन राज्य बनने के बाद जाति और धर्म के तुष्टिकरण के राजनीति के चलते समाज में द्वेष और वैमनष्यता बढ़ती गई। पिछले दो वर्षों में ही कवर्धा से लेकर सुकमा और अंबिकापुर से लेकर बेमेतरा तक जातीय और सांप्रदायिक तनाव बढ़ा है। पिछले कुछ वर्षों में बस्तर के जनजातीय क्षेत्रों में इसाई मिश्नरियों के खिलाफ आक्रोश का माहौल बना हुआ है। कुछ दिन पहले ही नारायणपुर क्षेत्र में एक हिंसक घटना हुई जिसमें पुलिस कप्तान घायल हो गए। कवर्धा में झण्डा विवाद के चलते तनाव बढ़ा था। छत्तीसगढ़ की शांति और सद्भावना पर किसकी नजर लग गई है? राज्य बनने के बाद एक तरफ आर्थिक विकास के चलते पूरे देश से खाने कमाने लोग आ रहे हैं। पिछले कुछ समय से यह आरोप कुछ क्षेत्रों में लग रहा है कि बांगलादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए छत्तीसगढ़ में अपना ठिकाना बना रहे हैं। जब भी इस बात की चर्चा शुरू होती है तो इसे सत्ता पक्ष राजनैतिक रंग देकर हल्के में लेती है। अभी तक किसी प्रकार की कोई जांच नहीं की गई है। बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में उन्मादी भीड़ ने एक युवक की हत्या कर दी यहां स्थानीय लोग भी इस बात की चर्चा कर रहे है कि उन्माद फैलाने वाले लोग बाहरी हो सकते है। अगर बाहर से आए लोगों के द्वारा प्रदेश के वातावरण को दूषित किया जा रहा है तो प्रदेश पुलिस के गुप्तचर क्या कर रहे हैं? क्या इंटेलिजेंस को इस तरह की गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं मिल रही है? अगर मिल रही है तो या फिर वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों तक यह जानकारी पहुंचा नहीं रहे है और यह जानकारी ऊपर पहुंच रही है तो ऊपर से कोई कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? इससे यह सवाल भी उमड़ता है कि इन सारी घटनाओं को राजनीतिक संरक्षण तो प्राप्त नहीं हैं? प्रशासन भले ही यह दावा करता हो कि बिरनपुर में स्थिति को नियंत्रित कर लिया है और दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है लेकिन इससे बात बनने वाली नहीं हैं। भारी भरकम पुलिस दल के मौजूदगी के बीच सब कुछ नियंत्रित लग रहा है लेकिन लोगों के दिलो में गांठ बन गई हैं। वैसे ही पिछले कुछ वर्षों में छोटी-छोटी बात पर चाकूबाजी और हत्या की घटनाएं एकाएक बढ़ी है। प्रदेश में सरकार का मुख्य कार्य कानून-व्यवस्था की स्थिति को मजबूत करना होता है लेकिन प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी हुई लगती है। बिरनपुर में जो हत्या हुई वह कोई अकस्मात घटना नहीं बल्कि पिछले कई माह से पनप रहे विवाद की श्रृंखला का घटक है। इससे सबक लेकर शासन को प्रदेश के सौहर्द्र बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्ती बरतना चाहिए। राजनीति को परे रखकर दोषियों को दण्डित करना चाहिए।

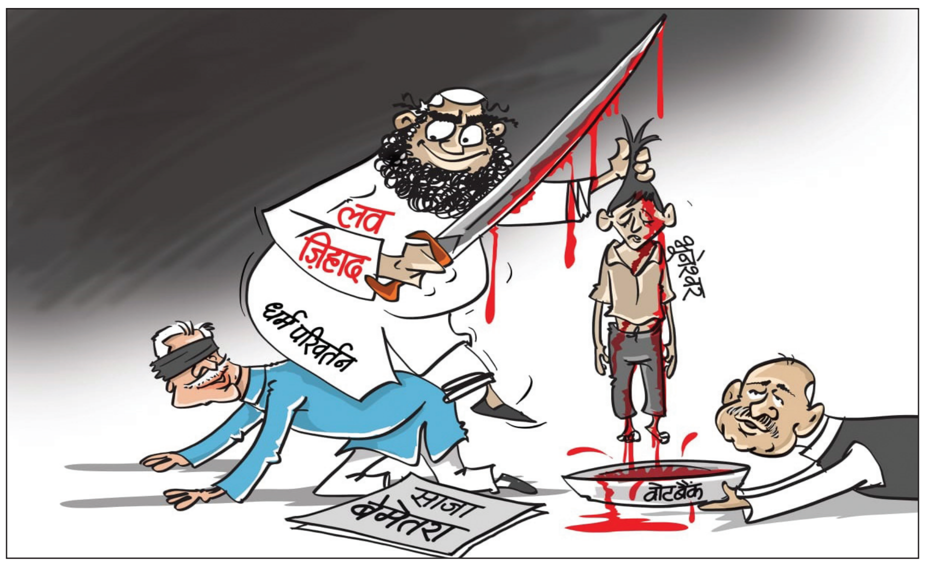

सचिन पायलट को मिला सिंहदेव का साथ

नई दिल्ली/रायपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में लगभग छह महीने का समय शेष है, लेकिन सचिन पायलट एक बार फिर इस अंतिम समय में पार्टी के लिए नई मुश्किलें खड़ी करते दिख रहे हैं। उन्होंने राजस्थान की पूर्ववर्ती सरकार में हुए कथित घोटालों की जांच न कराने के विरोध में 11 अप्रैल को एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है। इसे अशोक गहलोत सरकार और कांग्रेस नेतृत्व पर दबाव की रणनीति माना जा रहा है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री और वरिष्ठ नेता की तरफ से भी बयान सामने आया है। छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के समय सचिन पायलट को ऐसा लग रहा होगा कि जनता उनसे जवाब मांगेगी कि आपने कहा था कि वसुंधरा राजे की सरकार में बहुत भ्रष्टाचार हुआ और आप उसकी जांच

कराएंगे लेकिन आपने जांच नहीं करवाई। मैं इसे सरकार के खिलाफ नहीं वसुंधरा राजे की सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाने के तौर पर देख रहा हूं। सचिन पायलट का कहना है कि वह पिछली वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए गहलोत सरकार पर दबाव बनाएंगे। उन्होंने उनका समर्थन करने वाले विधायकों से अनुरोध किया है कि वे उनके साथ शामिल न हों; सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपमुख्यमंत्री एक अकेले योद्धा के रूप में देखे जाने से खुश हैं, जो मुख्यमंत्री और भाजपा की वसुंधरा राजे दोनों के खिलाफ है।

पायलट के दबाव में नहीं झुकेगी कांग्रेस

लेकिन कांग्रेस ने इशारों में ही साफ कर दिया है कि वह अपने पुराने घोड़े पर ही दांव लगाएगी। न केवल विधानसभा चुनाव अशोक गहलोत के नेतृत्व में लड़ा जाएगा, बल्कि बाद में सत्ता में दोबारा आने पर भी राज्य की कमान पायलट के हाथों में आने की संभावना न के बराबर है। रविवार को जब सचिन पायलट ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर अपने इस एक दिवसीय धरने का एलान किया, पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक बयान जारी कर अशोक गहलोत सरकार की प्रशंसा की।

प्रमुख समाचार

पवन खेड़ा ने लगाया मोदी पर 986 करोड़ में जासूसी सॉफ्टवेयर कॉग्नीटे खरीदने का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार 986 करोड़ की कीमत पर पेगासस-प्रकार का जासूसी सॉफ्टवेयर कॉग्नीटे खरीदने की कोशिश कर रही है, और आरोप लगाया कि इसका इस्तेमाल राजनेताओं, मीडिया, कार्यकर्ताओं और गैर सरकारी संगठनों पर जासूसी करने के लिए किया जाएगा। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, चूंकि पेगासस बदनाम हो गया है, इसलिए मिनिमम गवर्नेंस-मैक्सिमम सर्विलांस वाली सरकार बाजार में एक नए स्पाईवेयर की तलाश कर रही है। खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि मैं समझता हूं कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष से नफरत करता है लेकिन उन्होंने अपने मंत्रियों पर जासूसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इस देश के 2 जासूस किसी पर भरोसा नहीं करते, यहां तक ??कि कानून और मीडिया पर भी नहीं। इसलिए वे करदाताओं के करोड़ों रुपये जासूसी सॉफ्टवेयर और इजरायली तकनीक खरीदने में खर्च कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बादशाह को डर है कि कहीं हमारी एक सच्चाई से उनके झूठ का खोखला महल ढह न जाए।

कोरोना वैक्सीन कोवोवैक्स जल्द ही कोविन पोर्टल से जुड़ेगी

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना की रफ्तार बढ़ने लगे हैं। रोजाना केसों का आंकड़ा छह हजार के करीब पहुंच गया है। इस बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविड वैक्सीन कोवोवैक्स को लेकर बड़ी खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि कोवोवैक्स को वयस्कों के लिए विषम बूस्टर खुराक के रूप में जल्द ही कोविन पोर्टल में शामिल किया जाएगा। इसकी कीमत 225 रुपये प्रति खुराक तय की गई है। इसमें जीएसटी शामिल नहीं है। इससे पहले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखा था। इसमें उसने अपनी कोविड वैक्सीन कोवोवैक्स को वयस्कों के लिए विषम बूस्टर खुराक के रूप में कोविन पोर्टल में शामिल करने की मांग की थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया था कि यह पत्र 27 मार्च को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने लिखा था। बीते महीने डॉ. एन के अरोड़ा की अध्यक्षता वाले कोविड-19 वर्किंग ग्रुप ने भी स्वास्थ्य मंत्रालय से कोविन पोर्टल पर कोवोवैक्स को शामिल करने की सिफारिश की थी। इससे पहले ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 16 जनवरी को कोवोवैक्स के लिए बाजार प्राधिकरण को उन वयस्कों के लिए एक विषम बूस्टर खुराक के रूप में अनुमोदित किया था।

अतीक के परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं देंगे टिकट- मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव का ऐलान हो चुका है। इसको लेकर

राजनीतिक दल अपनी तैयारियां भी कर रहे हैं। प्रयागराज के चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। प्रयागराज नगर निगम चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने यहां से माफिया अतीक अहमद की फरार पत्नी शाइस्ता परवीन को टिकट दिया था। लेकिन उमेश पाल हत्याकांड मामले में उनके नाम आने के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने आज अतीक अहमद की पत्नी का टिकट ही काट दिया है। इसको लेकर मायावती ने बकायदा मीडिया में एक वक्तव्य जारी किया है। मायावती ने कहा कि प्रयागराज में हुई उमेश पाल की हत्या को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं और इस घटना में अतीक की पत्नी का नाम आते ही व उसके फरार होने पर स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी न अतीक की पत्नी और न ही उनके परिवार के अन्य सदस्य को वहां मेयर का टिकट नहीं देगी।

अग्निपथ योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। भारत के सैन्य बलों की भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना की वैधता को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट

ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अग्निपथ की वैधता को सही ठहराने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। वहीं अग्निपथ योजना के लागू होने से पहले भारतीय वायुसेना में भर्ती से संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर 17 अप्रैल को सुनवाई करेगा। बता दें कि अग्निपथ योजना आने के बाद भारतीय वायु सेना में भर्ती की पुरानी योजना को निरस्त कर दिया गया। इससे भर्ती में शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की नियुक्ति खटाई में पड़ गई। अब सर्वोच्च अदालत इस मामले पर सुनवाई करेगी। बीते फरवरी महीने में दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में अग्निपथ योजना की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था।

रमजान में 'वजू' की इजाजत की अपील पर 14 अप्रैल को सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में रमजान के महीने में 'वजू' करने की अनुमति देने की गुजारिश करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति की याचिका पर 14 अप्रैल को सुनवाई करने के लिए सोमवार को तैयार हो गया। अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति ने रमजान में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में 'वजू' की अनुमति मांगी है। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 11 नवंबर को उस क्षेत्र की सुरक्षा अगले आदेश तक बढ़ा दी थी, जहां एक शिवलिंग पाए जाने का दावा किया गया था। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया गया। मस्जिद समिति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने रमजान के महीने का हवाला देते हुए मामले की जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मस्जिद के अंदर एक क्षेत्र को सील करने के कारण 'वजूखाने' का रास्ता भी बंद है। उन्होंने कहा कि वजू के लिए एक ड्रम से पानी लिया जा रहा है और रमजान की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ गई है। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मामले पर 14 अप्रैल को सुनवाई की जाएगी।

कमेटी में कर्मियों का नुमाइंदा तक नहीं,

सेवानिवृत्ति के बाद एक आपदा है एनपीएस, होगी ओपीएस की लड़ाई

जितेंद्र भारद्वाज

केंद्र सरकार के कर्मचारी संगठनों द्वारा पुरानी पेंशन को लेकर जो आंदोलन शुरू किया गया है, वह अपना मुकाम हासिल करने के बाद ही खत्म होगा। ओपीएस बहाली के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के सदस्य और एआईडीईएफ के महासचिव सी. श्रीकुमार ने साफ कर दिया है कि सरकारी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद एनपीएस एक आपदा है। एनपीएस से रिटायर हुए कर्मचारी को महज चार-पांच हजार रुपये की पेंशन मिलेगी। वित्त मंत्रालय द्वारा गठित कमेटी में केंद्रीय कर्मियों का नुमाइंदा तक नहीं है। इतना ही नहीं, कमेटी में पुरानी पेंशन का जिक्र ही नहीं है। उसमें केवल एनपीएस के अंतर्गत पेंशन की बात की गई है। उसके मौजूदा ढांचे और संरचना के आलोक में, यदि कोई परिवर्तन आवश्यक है, तो कमेटी उस पर सुझाव दे सकती है। रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कोई समय सीमा भी तय नहीं की गई है। केंद्रीय कर्मचारी संगठन, किसी भी सूरत में ओपीएस से परे नहीं जाएंगे। उनका आंदोलन केवल पुरानी पेंशन बहाली के लिए है।

वित्त सचिव की अध्यक्षता में गठित हुई कमेटी

24 मार्च को संसद सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकारी कर्मचारियों के पेंशन सिस्टम की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा की थी। छह अप्रैल को समिति का गठन कर दिया गया है। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सचिव, व्यय विभाग के विशेष सचिव एवं पेंशन फंड नियामक विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष, इस कमेटी के सदस्य होंगे। यह समिति इस बात को लेकर सुझाव देगी कि सरकारी कर्मचारियों पर लागू एनपीएस के मौजूदा ढांचे में किसी तरह

का कोई बदलाव जरूरी है या नहीं। समिति जो भी सुझाव देगी, उसमें राजकोषीय निहितार्थों और समग्र बजटीय प्रभाव को ध्यान में रखा जाएगा।

पुरानी पेंशन बहाली होगी या नहीं, कमेटी में जिक्र नहीं

एआईडीईएफ के महासचिव सी. श्रीकुमार के मुताबिक, जब मुद्दा ही कर्मचारियों का है, तो सरकार को इस कमेटी में उनका प्रतिनिधि शामिल करना चाहिए था। दूसरा, लड़ाई तो पुरानी पेंशन को लेकर है, मगर समिति को जो टॉस्क दिया गया है, उसका दायरा तो एनपीएस के आसपास रहेगा। पुरानी पेंशन बहाली होगी या नहीं, इस पर तो बात ही नहीं की गई है। समिति अपनी रिपोर्ट कब तक प्रस्तुत करेगी, ऐसी कोई समय सीमा नहीं रखी गई। कमेटी में केंद्र सरकार के कर्मचारी संगठन ही नहीं, बल्कि राज्यों के प्रतिनिधियों को भी दरकिनार कर दिया गया। दरअसल, एनपीएस पर बनी केंद्र सरकार की यह कमेटी, आंखों में धूल झोंकने का एक जरिया है। कर्मचारी संगठनों ने तो एनपीएस में सुधार के लिए कभी कोई मांग ही नहीं उठाई है। शुरुआत से ही कर्मचारियों की एक ही मांग है कि एनपीएस को खत्म करें और परिभाषित एवं गारंटीशुदा पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए। सरकार ने ध्यान भटकाने और कर्मचारियों को चकमा देने के लिए इस कमेटी का गठन किया है।

कॉरपोरेट का 10 लाख करोड़ रुपये का ऋण छोड़ा

केंद्र सरकार के दिमाग में कर्नाटक विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव हैं। सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद भी सरकार ने पेंशन सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी। श्रीकुमार के अनुसार, तब स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम), आईएएस और आईपीएस एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी समिति के समक्ष उपस्थित हुए थे। उन्होंने आंकड़ों के साथ यह बात साबित की थी कि जो कर्मचारी एनपीएस में सेवानिवृत होंगे, उनके लिए वह स्थिति एक आपदा की तरह होगी। वजह, एनपीएस से जो पेंशन मिलेगी, वह पुरानी पेंशन के मुकाबले कहीं भी नहीं ठहरती। कमेटी ने भरोसा दिया था कि कर्मचारियों की उचित सिफारिशों के साथ रिपोर्ट पेश की जाएगी। हैरानी की बात है कि वह रिपोर्ट अभी तक कर्मचारी संगठनों के पास नहीं पहुंची है। इसी तरह वर्तमान में एनपीएस के लिए जो समिति गठित की गई है, वह सरकारी कर्मचारियों के साथ कोई न्याय करेगी, ऐसी उम्मीद बिल्कुल नहीं है। कॉरपोरेट सेक्टर द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लिया गया 10 लाख करोड़ रुपये का ऋण छोड़ दिया जाता है, अब वही सरकार, पुरानी पेंशन को सरकारी खजाने पर बोझ बता रही है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्पष्ट तौर यह फैसला सुनाया गया है कि पेंशन कोई उपहार नहीं है। यह सरकारी कर्मचारियों का मौलिक अधिकार है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा यह कहने का कोई औचित्य नहीं है कि पेंशन एक बोझ है। सरकार और उसके प्रतिनिधि लगातार ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं। इससे पहले केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के 18 महीने के डीए का बकाया भी रोक दिया है। पांचवें और छठे केंद्रीय वेतन आयोग ने 40 फीसदी फिटमेंट लाभ दिया था।

इंद्रावती के जल की तरह निर्मल मन वाले होते हैं आदिवासी : बैज

- प्रसिद्ध गढ़िया महोत्सव का सांसद दीपक बैज ने किया शुभारंभ
- बस्तर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और पंचायतों के प्रतिनिधि रहे मौजूद

बस्तर। हम आदिवासियों की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपराएं बस्तर की विशेष पहचान हैं। हमारी लोककलाओं, लोकगीतों, संस्कृति और परंपराओं की वजह से बस्तर आज पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो चुका है।

उक्त उदगार बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दीपक बैज ने अपने गृहग्राम गढ़िया में भव्य गढ़िया महोत्सव का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। उदघाटन समारोह में अतिथि के रूप में अनेक विधायक तथा जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

श्री बैज ने देवी सरस्वती, मां दंतेश्वरी और भगवान शंकर के छायाचित्रों की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का आगाज किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की जीवनदायिनी नदी इंद्रावती की पावन और निर्मल जलधारा की तरह ही बस्तर के आदिवासी भी निर्मल और निष्कपट मन वाले होते हैं। खुद अभावों में रहकर दूसरों को खुशी बांटना, उनके सुख -दुख में काम आना हम आदिवासियों का नैसर्गिक गुण है। अतिथि को हम देवतुल्य मानते हैं। हम कोशिश करते हैं कि अतिथि के स्वागत सत्कार में कोई कमी न रह जाए और उस पर हम अपना सब कुछ न्योछावर करने को तत्पर रहते हैं। श्री बैज ने कहा कि हम आदिवासियों की सबसे बड़ी खासियत यह भी है कि हम अपनी लोकलओं, संस्कृति और परंपराओं को अपने जीवन में पूरी तरह अंगीकार कर लेते हैं। अपनी लोककलाओं, संस्कृति और परंपराओं के लिए जीते हैं और मरते दम तक उन्हें आत्मसात किए रहते हैं।

आदिवासी चाहे बस्तर का हो, मध्यप्रदेश का हो, ओड़िशा का हो, महाराष्ट्र का हो या फिर आंध्रप्रदेश या तेलंगाना का, सभी का ऐसा ही गुण जेनेटिक होता है। यह गुण हमें अपने पुरखों से विरासत में मिलता चला आ रहा है। हमें अपनी इन समृद्ध परंपराओं, कला और संस्कृति को न सिर्फ सहेजे रखना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों तक हस्तांतरित भी करनी है। श्री बैज ने इस बात पर खुशी जताई कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार द्वारा आदिवासियों की कला, संस्कृति, परंपराओं, पूजा पद्धति और देवस्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए श्री बैज ने मुख्यमंत्री श्री बघेल के प्रति

आभार व्यक्त किया। श्री बैज ने कहा कि बस्तर जिले के प्रभारी और उद्योग मंत्री कवासी लखमा का भी सहयोग इस मामले में स्तुति योग्य है। सांसद श्री बैज ने कहा कि विधायक एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं बस्तर के विधायक लखेश्वर बघेल, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी, नारायणपुर के विधायक एवं हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप भी आदिवासी संस्कृति, लोककलाओं और परंपराओं को संरक्षित रखने में अहम योगदान दे रहे हैं। इस हेतु हमारे ये सभी साथी भी साधुवाद के पात्र हैं।

पुरखों की परंपराओं से विमुख न हो युवा पीढ़ी

सांसद दीपक बैज अपने पुरखों की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति से आज की युवा पीढ़ी द्वारा की जा रही अनदेखी का जिक्र करते हुए अचानक बेहद भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी अपनी कला संस्कृति और परंपराओं से लगातार विमुख होती जा रही है, जो बहुत ही दुखद और चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा और बच्चे पाश्चात्य संस्कृति के मोहजाल में फंसकर अपनी मूल संस्कृति और परपराओं से दूर होती जा रही है। हमें कुछ ऐसी पहल करनी होगी कि युवा और बच्चे अपनी मुख्यधारा और जड़ों से न सिर्फस्वयं आजीवन जुड़े रहें, बल्कि अपनी अगली पीढ़ी को भी जोड़े रखने के लिए प्रतिबद्ध होकर काम करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक होना बुरी बात नहीं है। बुरी बात तो यह है कि आधुनिक बनने के चक्कर में हमारे युवा साथी अपनी जड़ों से कटते जा रहे हैं। श्री बैज ने कहा कि गढ़िया महोत्सव के आयोजन के पीछे मेरी यही मंशा निहित है। मैं चाहता हूं कि हमारे युवा इससे कुछ सीखें और समुदाय का गौरव बनाए रखने के लिए योगदान देने के लिए सक्षम हो सकें। गांव के बड़े बुजुर्गों ने लगातार तीन साल से गढ़िया महोत्सव के आयोजन के लिए अपने गांव की माटी के सपूत दीपक बैज को दिल से आशीष दिया।

मिल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी

इस तीन दिवसीय गढ़िया महोत्सव के दौरान आयोजन स्थल पर राज्य शासन के अधिकांश विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग समेत अन्य विभागों के स्टॉलों में शासन द्वारा जनहित में संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी जा रही है तथा यथासंभव उन्हें योजनाओं से लाभान्वित भी किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य शिविर लगा रखा है, जहां ग्रामीणों का मुफ्त ईलाज कर उन्हें दवाएं दी जा रही हैं। महोत्सव के दौरान ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए हर रात सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। यह महोत्सव 11 अप्रैल तक चलेगा।

भुनेश्वर की हत्या के विरोध में चेम्बर ने व्यापारियों से किया बंद का आह्वान

रायगढ़। छत्तीसगढ के बेमेतरा जिला में हुई हत्या के विरोध में रायगढ़ चेम्बर द्वारा व आक्रोश प्रकट करते हुए व्यापारी बंधुओं से कल 10 अप्रैल को अपने प्रतिष्ठान बंद करने की अपील की है।

ज्ञात हो कि गत दिनों छत्तीसगढ के ही बेमेतरा जिले में जेहादियों द्वारा भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई। जिस पर छत्तीसगढ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील रामदास, प्रदेश मंत्री शक्ति अग्रवाल, राजेश अग्रवाल (चेम्बर), मनोज बेरीवाल, रवि अग्रवाल एवं रायगढ़ चेम्बर के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए व्यापारी बंधुओं से कल 10 अप्रैल को अपने प्रतिष्ठान बंद रखे की अपील की है।

बेमेतरा हिंसा के विरोध में छत्तीसगढ़ बंद को दुर्ग चेम्बर का समर्थन

दुर्ग। बेमेतरा जिले में हुई हिंसा के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा 10 अप्रैल को बुलाए गए छत्तीसगढ़ बंद को दुर्ग चेम्बर ने अपना समर्थन दिया है। दुर्ग चेम्बर द्वारा बंद के समर्थन में 2 बजे तक प्रतिष्ठानों को बंद रखा जायेगा। चेम्बर प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश सांखला मंत्री अशोक राठी चेयरमैन पवन बड़जात्या एवं दुर्ग चेम्बर अध्यक्ष प्रहलाद रुंगटा ने बताया कि बेमेतरा जिले में हुई हिंसा से प्रदेश का सामाजिक सौहार्द्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है, हम सभी इस प्रकार की घटना का पूरी तरह से विरोध करते हैं। बेमेतरा क्षेत्र के एक गांव में साम्प्रदायिक विवाद के बाद युवक की हत्या की घटना निंदनीय है। यह घटना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है। इस हमले में जिस युवक की हत्या हुई,चैंबर आफकामर्स उस परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करता है। साथ ही इस घटना में सुरक्षाकर्मी भी घायल हुए है । उन्होंने कहा की छत्तीसगढ़ एक शांति प्रिय राज्य हैं। ऐसे सांप्रदायिक दंगों से प्रदेश के शांत वातावरण में व्याधि पहुंचती है। इसलिए भविष्य में ऐसे घटना की पुनरावृत्ति ना हो। इसके लिए ठोस

कदम उठाए जाने चाहिये। घटना के विरोध में 10 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध प्रकट करे।

ग्रामीण साहू समाज बेलरगांव के द्वारा कैंडल जलाकर भुनेश्वर साहू को दी श्रद्धांजलि

नगरी। बेमेतरा जिले के ग्राम बिरनपुर साजा ब्लाक में 8 अप्रैल को दो पक्षों में हुए तनाव में साहू युवक के एक विशेष समुदाय द्वारा हत्या को लेकर पूरा प्रदेश साहू समाज आक्रोशित है साथ ही ग्रामीण साहू समाज बेलरगांव द्वारा भुनेश्वर साहू की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए साहू समाज बेलरगांव के द्वारा कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई।

जिसमें ग्रामीण साहू समाज के अध्यक्ष लिलम्बर सिंह साहू चमरूराम साहू संरक्षक ग्रामीण समाज बेलरगांव, सुभाष चंद्र साहू महासचिव तहसील साहू समाज नगरी , टिकेश्वर साहू, अंकेक्षक तहसील समाज नगरी, बृज लाल साहू जी पूर्व अध्यक्ष परिक्षेत्रिय साहू समाज बेलरगांव पवन कुमार साहू अध्यक्ष कर्मचारी प्रकोष्ठ बेलरगाँव,दिनेश साहू अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ खेमू साहू यतेंद्र साहू सचिव संचालक मंडल समाज बेलरगांव ग्रामीण उपाध्यक्ष सनातन साहू सचिव प्रदीप साहू कोषाध्यक्ष टीकम साहू व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष नारद साहू दुर्गेश साहू, इंदल साहू ,भागचंद साहू, दीपक साहू, धिरपाल साहू, साहू,नरेन्द्र साहू, योगेश साहू, सुरेश साहू, जयकिशन साहू, लोमेश्वर साहू, पीयूष साहू, मनीष साहू, धर्मेद्र साहू, कालेश्वर साहू, नदलाल साहू,हिराऊ राम साहू, सलिक साहू, उमेश साहू,पति साहू, दिलीप साहू, लालू राम साहू,नेमीचंद,देवेन्द्र कुमार साहू, तेज कुमार साहू, भागवान साहू,किरण साहू,लोमश साहू, पतिराम साहू, पीलादाऊ साहू, साहू,बिजू साहू, लोकेश साहू अदेश्वर साहू भोल साहू, मन सिंह साहू, प्रीतम साहू,केवल साहू, लोकेश साहू, बिंदु साहू जीतू साहू, संजय साहू,सोमनाथ साहू,मोहन सर्वा, पंकज साहू,विमल साहू, मोतीलाल साहू, बसंत साहू, आसाराम साहू सोनू साहू खोमेश साहू, खेम लाल साहू, देवेंद्र साहू,अमर नाथ साहू,व ग्रमीण साहू समाज सेवक राज कुमार साहू एवं समस्त युवा प्रकोष्ट ,कर्मचारी प्रकोष्ट, व्यापारी प्रकोष्ठ एवं समस्त ग्रामीण साहू समाज के स्वजाति भाईयों एवं युवा साथियों की उपस्थिति रही।

साहू समाज ने भुनेश्वर के हत्यारों के लिए फांसी की सजा मांगी

नगरी। तहसील साहू समाज नगरी अध्यक्ष पुनीत राम साहू, परिक्षेत्र साहू समाज नगरी अध्यक्ष राजकुमार साहू, नगर साहू समाज नगरी अध्यक्ष ईश्वर लाल साहू के नेतृत्व में संयुक्त रूप से साहू समाज द्वारा रैली निकाल कर बेमेतरा के बिरनपुर गांव में भुनेश्वर साहू की निर्मम हत्या एक विशेष समुदाय के द्वारा कर दी गई, जिसके विरोध में हत्यारों को फांसी की सजा की मांग करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को महामहिम राज्यपाल के नाम से ज्ञापन सौंपा गया।

इस कार्यक्रम में तहसील उपाध्यक्ष अनराज साहू, सचिव सुभाष साहू, सह सचिव पेमंत साहू, हृदय साहू, धनीराम साहू, राजकुमार साहू, रामगोपाल साहू , ज्वाला प्रसाद साहू, अनिरुद्ध साहू, देऊराम साहू, योगेश साहू, गौतम चन्द्र साहू, भरत लाल साहू, बीरेंद्र साहू, सचिदानंद साहू, शेषनारायण साहू, निलम्बर साहू, लेखराम साहू, ओमप्रकाश साहू, सुरेश साहू, जन्मेजय साहू, मनहरण साहू, मनीराम साहू, जयकिशन साहू, हरीश सार्वा, तुलाराम साहू, हीरालाल साहू, चन्द्रभान साहू, हीरेन्द्र साहू, पुरषोत्तम साहू, उधोलाल साहू, उमेश साहू, यतींद्र साहू, राजू साहू, गणेश राम साहू, संतोष साहू, सावलु राम साहू सहित साहू समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे

दादा-पोते की मौत के बाद जागा खनिज विभाग

रेत घाट में लगाया बेरिकेट्स

कोरबा। दादा-पोते की मौत के बाद आखिरकार खनिज विभाग ने सीतामढ़ी रेत घाट से चोरी रोकने बेरिकेट्स लगा दिया। रास्ते में गड्ढा खोद कर खंभा गाड़ दिया गया है। ताकि ट्रैक्टरों की आवाजाही बंद हो सके।

शहर में रेत घाट अभी तक आबंटित नहीं हो सका है, पर रेत माफिया धडल्ले से रेत का परिवहन व बिक्री कर रहे हैं। पिछले सीतामढ़ी रेत घाट से निकले एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से दादा. पोते की मौत हो गई थी। सीतामढ़ी क्षेत्र में हुई इस घटना से नाराज लोगों ने दिन चक्काजाम कर दिया था। बाद में रेत परिवहन बंद करने पर सहमति बनने पर आंदोलन खत्म हुआ। प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। कलेक्टर के निर्देश के बाद खनिज विभाग ने सतर्कता से अवैध रेत परिवहन व बिक्री पर अंकुश लगाने जुट गया है। सीतामढ़ी रेत घाट से चोरी रोकने की कवायद करते हुए घाट के रास्ते में गड्ढा खोदकर बैरिकेट्स लगा दिया गया है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कि पहले यही इंतजाम किए जाते तो दो लोगों की जान नहीं जाती। मगर यह इंतजाम पर्याप्त नही है। स्थाई रूप से इस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। उधर अधिकारियों का कहना है कि अवैध रेत घाट को बंद कराया गया है और नाका लगाकर कर्मचारी तैनात किए गए हैं। यहां बताना होगा कि जिला कलेक्टर ने भी रेत के अवैध उत्खननए भंडारण और परिवहन पर एसडीएम और खनिज अधिकारी को कार्यवाही करने निर्देश दिए हैं। इस कड़ी में रेत के अवैध परिवहन करने वालों पर खनिज विभाग की टीम ने कार्रवाई भी शुरु कर दी है। सीतामढ़ी में दुर्घटना होने के बाद अवैध रेत घाट का संचालन फ्लिहाल लगभग बंद हो चुका है। गेवरा रेत घाट से भी लगातार ट्रैक्टर भर कर रेत की चोरी हो रही है। तेज गति से बेलगाम दौड़ते ट्रैक्टर 15 ब्लाक व पंप हाउस कालोनी होते हुए सीएसईबी पुलिस चौकी के सामने से गुजरते हैं, पर इनकी गति पर कोई अंकुश नही लगा रहा था।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

एनएसयूआई ने 53 वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

नगरी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के 53 वें स्थापना दिवस के अवसर को एनएसयूआई सिहावा विधानसभा ने धूमधाम से मनाया। विधायक कार्यालय नगरी में एनएसयूआई का झंडा फहराया गया। नगरी अस्पताल में इलाजरत मरीजो के बीच फल एवं बिस्कुट बांटी गई। कार्यक्रम को सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव, एवं पूर्व विधायक अम्बिका मरकाम ने संबोधित किया। संगठन को मजबूती प्रदान करने और छात्रों के हितों की रक्षा करने का वादा किया गया। कार्यक्रम में कुंज बिहारी देव,नंदनी कंचन, युवा कांग्रेस से प्रमोद कुंजाम,नदीम अली,सोनू चौहान, आदित्य ठाकुर, अभिषेक बंजारे,महेंद्र पांडे,विकाश ठाकुर,रूपेश साहू एवं एनएसयूआई से विधानसभा अध्यक्ष अंकुश देवांगन, प्रदेश सहसचिव गीतेश साव, शहर अध्यक्ष मनीष नेताम, विधानसभा उपाध्यक्ष वासुदेव नागेस, विरेद साहू, चिंटू नाग, सतीश साहू, राजेश यादव,नरहरी नेताम, दक्ष साहू, मोहनीश सेन, सुरज सोम, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश सोनबेर, सिद्दीक, अमन राज, रजा, कुश, रवि कुमार, सोनल सोनी, वरुण, सुभम साहू, सेख अहमद आदि उपस्थित थे।

पार्षद दल के नेता चुनाव नहीं हुआ, भाजपा पार्षदों मे निराशा

रिसाली। नगर पॉलिक निगम रिसाली मे भाजपा पार्षद दल नेता (प्रतिपक्ष) का चुनाव कई माह बीतने के बाद भी नही हो पाया है। जिसको लेकर भाजपा पार्षदो में निराशा कायम हो गई है। बताया जाता है कि नगर पॉलिक निगम भिलाई में इसका चुनाव बकायदा पार्षदो के राय व संगठन की अनुमति से कर लिया गया। लेकिन नगर पॉलिक निगम रिसाली को छोड़ दिया गया है।बताया गया था कि नगर पॉलिक निगम रिसाली के भाजपा प्रभारी पुरंदर मिश्रा के घर विवाह का कार्यक्रम होने के कारण नेता प्रतिपक्ष का चुनाव नही हो पाया था।लेकिन अब तो रिसाली के मंडल अध्यक्ष का चयन उनकी कार्यकारिणी की भी घोंसणा हो गई।उसके बाद भी रिसाली निगम मे नेता प्रतिपक्ष नही बनाया जाना समझ से परे है।

सीआईएसएफ कैम्प की बैरिकेड तोड़कर घुसा दंतैल

बालोद। हाथियों का उत्पात समय के साथ बढ़ता जा रहा है. बीती रात दंतैल हाथी बैरिकेड तोड़कर दल्लीराजहरा स्थित सीआईएसएफकैम्प में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। हाथी के आतंक से रातभर जवान दहशत में रहे। जानकारी के अनुसार, हाथी इन दिनों तांदुला बांध एरिया में मंडरा रहा है. बीती रात दल्लीराजहरा स्थित ष्टढ्ढस्स्न कैम्प के दो गेट समेत बेरिकेट को तोड़ते हुए अंदर घुसकर रातभर जमकर उत्पात मचाया. दंतेल के कैंप में घुसने की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला. वर्तमान में हाथी पल्लेकसा के जंगल में मौजूद है। बता दें कि वन विभाग ने आस-पास के ग्राम मुल्ले, मुल्लेगुड़ा मालगांव, रानीमाई, तालगांव, अंधियांटोला, सेमरकोना, नर्रा, गोंडपाल, घोठिया सहित दर्जनों गांवों को अलर्ट किया हुआ है. हाथी दिनभर जंगल में तांदुला बांध के एरिया में रहता है, लेकिन शाम होते ही रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर जाता है, जिससे ग्रामीण दहशत के साए में रात बिताने मजबूर हैं।

चिटफंड कंपनी के सीएमडी और डायरेक्टर गिरफ्तार

रायगढ़। ऑनलाइन फ्रॉड के बाद चिटफंड में मिली रायगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चिटफंड कंपनी कोलकाता वेयर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीएमडी शाहजहां खान और उसके भाई कंपनी के डायरेक्टर शमशुल आलम खान को गिरफ्तार कर आरोपियों से करीब 60 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति बरामद कर जप्त किया गया है। दरअसल, 01 दिसंबर 2018 को थाना कोतवाली में आवेदक तेजराम बेहरा निवासी ग्राम कुर्कुदा ने कोलकाता वेयर इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी द्वारा 5 लाख रूपये 3 साल में दुगना हो जाने का झांसा देकर रकम निवेश कराकर कंपनी अपनी रायगढ़ स्थित शाखा बंद कर सभी व्यक्ति के फरार होने के संबंध में शिकायत किया गया। शिकायत पत्र में पीड़ित, गवाहों का कथन लेखबद्ध कर आवश्यक दस्तावेज जुटाये गये जिसमें पाया गया कि ङ्क कोलकाता वेयर इंडस्ट्रीज लिमिटेड आरओसी कोलकाता से रजिस्टर्ड है ।

मानव अधिकार संरक्षण के प्रदेश सचिव बने माखीजा

राजनांदगांव। शहर के युवा समाज सेवी राजा माखीजा को मानव अधिकार संरक्षण का प्रदेश सचिव मनोनित किया गया है। माखीजा की नियुक्ति मानव अधिकार कार संरक्षण से संबंधित मानवधिकार भारत गौरव सम्मान फांउडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. के.के द्विवेदी, डायरेक्टर रजिक खान व मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक अर्जुन सचदेव ने की है तथा उन्हे इस पद पर ज्वाईन कराते हुए सम्मान किया गया है। श्री माखीजा की इस उपलब्धि पर चेंबर्स ऑफ कामर्स व भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ तथा पूज्य सिंधी समाज के सभी पदाधिकारी व सदस्यों सहित समाजसेवी आलोक बिंदल, संजय रिजवानी, राजू डागा, संजय तेजवानी, गुरूमुख दास वाधवा आदि सहित अन्य ईष्ट-मित्र जनों व शुभ चिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनुप ने घोषित की कार्यकारिणी

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा के अनुमोदन एवं जिला भाजपा प्रभारी राजीव अग्रवाल की स्वीकृति और भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक राजेश अग्रवाल व प्रदेश सह संयोजक शिव चन्द्राकर की सहमति से भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनूप गटागट ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की है।

कार्यकारिणी में दुर्ग जिला संगठन अंतर्गत निवासरत आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यगण जिला कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पदेन शामिल रहेंगे। जिला अध्यक्ष अनूप गटागट (दीपक नगर), जिला सह संयोजक जवाहर जैन (गंजपारा सदर), नवीन जैन (धमधा), सीए आनंद अग्रवाल, जिला प्रचार प्रभारी - सुधा सेंगर, जिला सह प्रचार प्रभारी कुंदन साहू, जिला कार्यालय प्रभारी उदय शंकर त्रिपाठी, कार्यालय सह

प्रभारी अभिषेक मनहरे, जिला सोशल मीडिया प्रभारी मनीष सिरसकर, सह-सोशल मीडिया प्रभारी शालिनी दिल्लीवार। जिला कार्यकारिणी सदस्य- टीकम साहू, विष्णुकांत पाण्डेय, राजेश यादव, अशोक साहू, सिद्धार्थ सोनी, हिमांशु शुक्ला, संतोष रतनानी, आनंद यादव, दीपक जैन, राजेश शर्मा, अजय चंद्राकर, मनोज साहू, हेमंत कुमार नेमा, विजय गुप्ता, नरेश सोनी, रिंकू शुक्ला, कमल तिवारी, संजय पुरोहित।

स्थायी आमंत्रित सदस्य - डॉ. सरोज पाण्डेय, विजय बघेल, जितेंद्र वर्मा, रमशिला साहू, लाभचंद बाफना, शिव चंद्राकर, कांतिलाल बोथरा। विशेष आमंत्रित सदस्य- चैनसुख भट्टड, डोमार सिंह वर्मा, दीपक देवांगन, डॉ राहुल गुलाटी।

युवा पीढ़ी पढ़ाई पर ध्यान दें, शिक्षा से होगा समाज का विकास: प्रेमलता नागवंशी

नगरी। आदिवासी ध्रुव गोंड समाज तहसील मगरलोड द्वारा आयोजित 61वाँ वार्षिक सम्मेलन महासभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुई पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी। सर्व प्रथम कलश यात्रा व देवी देवताओं का स्वागत किया गया तथा श्री बूढ़ा देव व पाँच वंशों का पूजन आरती भव्य रूप से किया गया। प्रेमलता नागवंशी उद्बोधन देते हुए बताया की युवा कैसे नशा में लिप्त हो रहे हैं जिसके कारण परिवार व समाज का माहौल खराब हो रह है। उन्होंने युवा पीढ़ी को पढ़ाई पर ध्यान देने को एवं शिक्षा से समाज का विकास की बात कही। दूसरी ओर उन्होंने समाज में मातृ शक्ति द्वारा समाज में किए गए कार्यों को सराहा तथा शिक्षा के माध्यम से समाज के लिए आगे आ रही बेटियों के कार्यों को सराहा। कार्यक्रम में उनके साथ मुख्य रूप से आदिवासी ध्रुव गोंड समाज परिक्षेत्र अध्यक्ष सेवक राम छेदैया, ध्रुव गोंड समाज तहसील मगरलोड अध्यक्ष माधव सिंह ठाकुर, ध्रुव गोंड समाज तहसील नगरी अध्यक्ष छेदप्रकाश कौशिक, सिंगपुर परिक्षेत्र अध्यक्ष बिनझवार सिंह ठाकुर, मारागाँव परिक्षेत्र अध्यक्ष भानुराम नेताम, कोषाध्यक्ष मारागाँव नारायण सिंह ध्रुव, कोषाध्यक्ष सिंगपुर सोमनाथ ध्रुव, सर्व आदिवासी समाज मगरलोड तहसील अध्यक्ष जग्गनाथ मंडावी, अशोक ध्रुव, अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ध्रुव गोंड समाज मगरलोड मकेश्वरी ध्रुव, हिरवानी ठाकुर, चुन्नीलाल ध्रुव, हीरामन ध्रुव, रम्भा ध्रुव, अनुसुइया ध्रुव, जमुना ध्रुव, जमुना ध्रुव, नूतन ध्रुव, दुर्गा ठाकुर, चेतन राम ध्रुव, रमेश मंडावी, राजेश जगत, मनीष कुमार ध्रुव, कीर्तन नरेटी, लाल सिंह मरकाम, अजय ध्रुव, शारदा ठाकुर, संतोषी ध्रुव व ध्रुव, गोंड समाज के सामाजिक बंधु भारी संख्या में उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

ईडी ने आज पूछताछ के लिए तेजस्वी यादव को किया तलब

पटना। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढती जा रही है। इस मामले में तेजस्वी यादव को ईडी के सामने पेश होना है। ऐसे में ईडी के बुलावे पर तेजस्वी यादव कैबिनेट की बैठक के बाद आज दिल्ली पहुंचे। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही ईडी ने 11 अप्रैल को दिल्ली बुलाया है। पटना एयरपोर्ट पर जब मीडिया ने उनसे इस संबंध में सवाल पूछा तो तेजस्वी बचते नजर आए। इससे पहले तेजस्वी यादव को नौकरी के बदले जमीन मामले में सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया था। उस दौरान तेजस्वी ने कहा था कि ये निराधार चीजें हैं। सच्चाई यह है कि कोई घोटाला हुआ ही नहीं है। दरअसल, रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी लगातार जांच कर रही है। इससे पहले सीबीआई जब तेजस्वी यादव को पूछताछ के लिए बुला रही थी, तब वह गिरफ्तारी के डर से सीबीआई के समक्ष पेश नहीं हो रहे थे।

राहुल को बताना चाहिए विदेश में किससे मिलते हैं : रविशंकर

नईदिल्ली। हाल में ही गुलाम नबी आजाद ने दावा किया था कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं तो कई व्यापारियों से मिलते हैं। हालांकि, उन्होंने अवांछनीय शब्द का प्रयोग किया था। अब इसी को लेकर भाजपा राहुल गांधी पर हमलावर है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने गुलाम नबी आजाद के बहाने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए कि वह विदेश में किनसे मुलाकात करते हैं। अपने बयान में रविशंकर ने कहा कि आज़ाद ने गंभीर आरोप लगाए हैं, जब भी राहुल गांधी विदेश जाते हैं तो वह अवांछनीय व्यवसायी से मिलते थे। उन्होंने साफ तौर पर पूछा कि राहुल गांधी किस-किस से मिलते हैं? उनके मिलने का एजेंडा क्या होता है? रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जब भी वे विदेश से लौटते हैं तो उनका हमला भारत, पीएम मोदी के ऊपर और तेज़ हो जाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी भारत विरोधी व्यवसायियों के साथ मिलकर देश को कमज़ोर करने का काम कर रहे हैं?

राहुल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने चेतावनी दी है कि वह गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह से उन्हें जोड़ने वाले अपने ट्वीट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। असम के मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए यह बात कही है। असम के मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि वह 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे के बाद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो कुछ भी ट्वीट किया है, वह मानहानिकारक ट्वीट है। इसलिए प्रधानमंत्री के असम से वापस जाने के बाद हम ट्वीट का जवाब देंगे और निश्चित रूप से गुवाहाटी में मानहानि का मामला होगा। सरमा ने आगे कहा कि लेकिन अभी नहीं, मैं अब राजनीति के बारे में बात नहीं करना चाहता, क्योंकि हम बिहू का जश्न मनाना चाहते हैं।

संसद सदस्यता जाने के बाद आज वायनाड दौरे पर राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद सदस्यता जाने के बाद पहली बार केरल में अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड का दौरा करेंगे। राहुल गांधी 11 अप्रैल यानी मंगलवार को वायनाड जाएंगे। अपने दौरे के दौरान राहुल गांधी वायनाड में एक रैली को संबोधित भी करेंगे और रोड शो भी करेंगे। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से ही जीतकर संसद पहुंचे थे। अब जब मानहानि मामले में राहुल गांधी की संसद सदस्यता जा चुकी है तो वायनाड सीट पर जल्द उपचुनाव कराए जा सकते हैं। बता दें कि मोदी सरनेम विवाद पर गुजरात के सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। इसके चलते जनप्रतिनिधि कानून के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी चली गई। हालांकि अगर उच्च अदालत से राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लग जाती है तो उनकी संसद सदस्यता की अयोग्यता भी लागू नहीं रहेगी।

अयोध्या दौरे को लेकर सिब्बल ने शिंदे पर साधा निशाना

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर उनके अयोध्या दौरे को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीठ में छुरा घोंपने वाले लोग बाला साहेब ठाकरे की विरासत को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं। बता दें, शिवसेना नेता शिंदे पिछले साल जून में मुख्यमंत्री बने हैं। उनके सीएम बनने के बाद यह पहला अयोध्या का दौरा है। इस दौरान उनके साथ हजारों कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सिब्बल ने ट्वीट करते हुए कहा कि शिंदे अयोध्या में हैं। भगवान राम ने बलिदान, सच्चाई और ईमानदारी चुनी थी। इन्हीं विशेषताओं को बाला साहेब ने भी आत्मसात किया। उन्होंने शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि बाला साहेब की विरासत को साजिशकर्ता, अवसरवादी, पीठ में छुरा घोंपने वाले लोग कभी भी आगे नहीं बढ़ा सकते है। गौरतलब है, महाराष्ट्र के सीएम और शिवसेना के दिग्गज नेता एकनाथ शिंदे इस समय रामलला के दर्शन करने के लिए अयोध्या गए हुए हैं।

अरुणाचल प्रदेश से केंद्रीय गृहमंत्री का चीन को करारा जवाब

हमारी जमीन कोई नहीं ले सकता: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के अपने दौरे पर चीन की आपत्ति के बीच सोमवार को कहा कि कोई भी भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर सवाल नहीं उठा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी एक इंच जमीन भी कोई नहीं ले सकता। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दिन में एक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि चीन गृहमंत्री अमित शाह की अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का दृढ़ता से विरोध करता है और क्षेत्र में उनकी गतिविधियों को बीजिंग की क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन मानता है। गृह मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांव और भारत के सबसे पूर्वी स्थान किबिथू से वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत की।

अमित शाह ने यहां अपने भाषण में कहा, 2014 से पहले पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को अशांत क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, लेकिन पिछले 9 वर्षों में, पीएम मोदी की पूर्व की ओर देखो नीति के कारण, पूर्वोत्तर को अब एक ऐसा क्षेत्र माना जाता है जो देश के विकास में योगदान देता है। उन्होंने सेना और सीमा पुलिस की तारीफ करते हुए कहा, आज पूरा देश अपने घरों में चैन की नींद सो सकता है क्योंकि हमारे आईटीबीपी के जवान और सेना हमारी सीमाओं पर दिन-रात काम कर रही है। हम पर बुरी नजर है।

पिछले हफ्ते, चीन ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों का नाम बदला जो वह अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में दावा करता है। प्रवक्ता वांग वेनबिन ने गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा पर एक सवाल के जवाब में कहा, जंगनान चीन का क्षेत्र है। उन्होंने कहा, जंगनान की भारतीय अधिकारी की यात्रा चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन करती है, और सीमा की स्थिति की शांति और

शांति के लिए अनुकूल नहीं है।

भारत ने हमेशा यह कहा है कि अरुणाचल प्रदेश देश का एक अविभाज्य हिस्सा है और चीन अपने स्वयं के आविष्कारशील नाम देने से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था, यह पहली बार नहीं है कि चीन इस तरह के प्रयास कर रहा है, और हमने इस तरह के प्रयासों की आलोचना की है। अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अविभाज्य हिस्सा है। चीन अपने स्वयं के आविष्कारशील नाम देने से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित ने साफ तौर पर कहा कि भारत की जमीन को हथियाने का जमाना चला गया है। अरुणाचल प्रदेश की जमीन से अमित शाह ने चीन को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सुई की नोक इतनी भी जमीन भारत से कोई छीन नहीं सकता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि देश की जमीन पर कोई अतिक्रमण नहीं कर सकता। हमारी जमीन पर कोई आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। इससे पहले चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 चीजों के नाम बदल दिए थे। भारत ने तब करारा जवाब दिया था।

शाह के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन ने जताई आपत्ति

बीजिंग। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सोमवार से शुरू होने वाली अरुणाचल प्रदेश की दो दिवसीय यात्रा का पड़ोसी देश चीन ने विरोध किया है। लगातार भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण करते हुए चीन बेहद हास्यास्पद तरीके से इस बात को लेकर आपत्ति जता रहा है और सवाल उठा रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह चीन सीमा से सटे भारतीय क्षेत्रों का दौरा क्यों कर रहे हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार चीन ने गृह मंत्री शाह के दौरे को लेकर कहा कि वह भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के

अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का दृढ़ता से विरोध करता है क्योंकि इससे सीमावर्ती क्षेत्र में चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन हो रहा है।चीन की आपत्ति इस कारण से हास्यास्पद है क्योंकि बीते कुछ दिनों पहले ही चीन ने बेहद आपत्तिजनक और एकतरफा कार्रवाई करते हुए अपने नक्शे में भारतीय संप्रभुता के सीमावर्ती राज्य अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों का नाम बदल दिया था और ऐसा चीन की ओर से पहली बार नहीं किया गया था। बीते 5 सालों में चीन ने ऐसा तीसरी बार किया था। इसके पहले चीन ने 2021 में अरुणाचल प्रदेश के 15 स्थानों और 2017 में 6 स्थानों का नाम अपने नक्शे में बदल दिया था। दरअसल, चीन कभी भी अरुणाचल प्रदेश को भारतीय संप्रभता का क्षेत्र मानने से इनकार करता रहा है। चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिणी तिब्बत' का हिस्सा बताता है। वह भारत पर आरोप लगाता है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा किया है और उसे अरुणाचल प्रदेश का नाम दे दिया है। यही कारण है कि चीन भारत के अविभाज्य हिस्से अरुणाचल प्रदेश को लेकर लगातार शरारतें करता रहता है और समय-समय पर उसके कुछ क्षेत्रों पर दावा करता रहता है। जबकि दोनों देशों के मध्य आपसी समहती से वास्तविक नियंत्रण रेखा बनाई गई है लेकिन चीन विस्तारवादी नीति के तहत बार-बार आपसी समझौते का उल्लंघन करता रहता है।

जहां तक गृह मंत्री अमित शाह के अरुणाचल दौरे की बात करें तो इस संबंध में सरकार की ओर से बताया गया है कि अमित शाह सोमवार से शुरू होने वाली अरुणाचल प्रदेश की दो दिवसीय यात्रा के दौरान भारत-चीन सीमा से लगे एक गांव किबिथू में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) की शुरुआत की।

इसके अलावा गृह मंत्री शाह सोमवार को किबिथू गांव में स्वर्ण जयंती सीमा रोशनी कार्यक्रम के तहत निर्मित नौ पनबिजली परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। केंद्र सरकार के मुताबिक इन पनबिजली परियोजनाओं से अरुणाचल के सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को सशक्तिकरण होगा। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने इस संबंध में बताया कि गृह मंत्री अमित शाह अरुणाचल प्रदेश के लिकाबाली, बिहार के छपरा, केरल के नूरानद और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

शरद पवार का एक बार फिर विपक्षी एकता को ठेंगा

मोदी की डिग्री कोई मुद्दा नहीं: पवार

मुंबई। नेशनल कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुखिया और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने एक बार फिर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे मुद्दे से नाराजगी जाहिर की है। दरअसल विपक्ष द्वारा सत्ताधारी नेताओं की डिग्री को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। शरद पवार ने इसकी आलोचना की है और कहा है कि ये कोई मुद्दा नहीं है और नेता इस पर अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा देश कई मुश्किल समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे में उन पर ध्यान देने की जरूरत है। इससे पहले शरद पवार ने अदाणी मामले पर भी विपक्ष के स्टैंड की आलोचना की थी और जेपीसी की मांग को खारिज कर दिया था।

शरद पवार ने प्रधानमंत्री की डिग्री के विवाद पर कहा कि आज कॉलेज डिग्री का सवाल बार-बार पूछा जा रहा है, आपकी क्या डिग्री है या मेरी क्या डिग्री है लेकिन क्या ये राजनीतिक मुद्दा है? पवार ने कहा कि केंद्र सरकार को बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, महंगाई जैसे मुद्दों पर घेरा जाना चाहिए या फिर जो अन्य अहम मुद्दे हैं। धर्म और जाति के आधार पर लोगों में अलगाव पैदा किया जा रहा है, महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं । हमें ऐसे मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए।

बता दें कि आम आदमी पार्टी और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा प्रधानमंत्री की डिग्री को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी का कहना है कि देश का प्रधानमंत्री पढ़ा लिखा होना चाहिए। केजरीवाल तो प्रधानमंत्री की डिग्री की मांग को लेकर गुजरात हाईकोर्ट तक चले गए, जिसके लिए उन पर 25 हजार का जुर्माना भी लगा। उद्धव ठाकरे ने भी प्रधानमंत्री की डिग्री का मुद्दा उठाया है।

यह दूसरी बार है, जब शरद पवार ने विपक्ष के स्टैंड से अलग स्टैंड लिया है। हाल ही में शरद पवार ने गौतम अदाणी का बचाव किया था और जेपीसी की मांग को भी खारिज कर दिया था। वहीं विपक्ष द्वारा लगातार अदाणी मामले की जांच के लिए जेपीसी के गठन की मांग की जा रही है। अब डिग्री विवाद पर भी शरद पवार विपक्षी एकता से अलग दिखाई दे रहे हैं।

इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने भी कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता सार्वजनिक बहस का विषय बन गई है, तो संबंधित अधिकारियों को इस पर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनसीपी को नहीं लगता कि उनकी डिग्री के कारण मोदी पीएम बन गए हैं। ऐसा नहीं है कि मोदी अपनी डिग्री की वजह से पीएम बने।

अलग विचार रखना विपक्ष में फूट का उदाहरण नहीं : सिब्बल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि शरद पवार और राहुल गांधी का अलग-अलग विचार रखना विपक्ष में फूट का उदाहरण नहीं है। दोनों को अपने विचार रखने की अनुमति है। कपिल सिब्बल ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा, आपको अलग-अलग दलों को अलग-अलग विचार रखने की अनुमति देनी चाहिए। हमें राहुल गांधी को एक व्यक्ति पर विचार रखने की अनुमति देनी चाहिए और शरद पवार को भी अपना दृष्टिकोण रखना चाहिए। यह एकता का उदाहरण नहीं होना चाहिए। कपिल सिब्बल ने कहा कि राजनीतिक दलों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन व्यापक दृष्टिकोण से आम सहमति की संभावना बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि अगर आप मुद्दों को छोटा करते हैं तो आपके बीच राजनीतिक दलों के बीच मतभेद होंगे। दरअसल, हाल ही में शरद पवार ने एक साक्षात्कार के दौरान अडानी मुद्दे पर जो कुछ कहा था उसके बाद अटकलें लगाई जा रही थी कि विपक्षी एकता में फूट आ गई है। शरद पवार ने कथित अडानी घोटले की संयुक्त संसदीय समिति की जांच के खिलाफ अपनी राय रखी।

खेल
प्रमुख समाचार

भारतीय ग्रैंडमास्टर गुकेश ने विश्व आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना प्रतियोगिता जीती

बर्लिन। किशोर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने फाइनल में पूर्व विश्व रेपिड चैंपियन उज्बेकिस्तान के नादिरबेक अब्दुसतारोव को हराकर रविवार को यहां विश्व शतरंज आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। सोलह साल के गुकेश ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में जीत दर्ज की। पहली बाजी में चूकने के बाद गुकेश को दूसरी बाजी में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने 'अतिरिक्त मौके' का इस्तेमाल करते हुए अब्दुसतारोव के खिलाफ मुकाबले को दोबारा शुरू कराया। 'नए' मुकाबले की पहली बाजी ड्रॉ रही लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर अगली बाजी जीतकर चैंपियन बना। गुकेश और अब्दुसतारोव दोनों को सितंबर में होने वाले आर्मेगेडोन ग्रैंड फिनाले में जगह मिली।

इस टूर्नामेंट में गुकेश और अब्दुसतारोव के अलावा पूर्व विश्व क्लासिकल चैंपियन व्लादिमीर क्रैमनिक, डेनिल डुबोव, चीन के यांगयी यू, भारत के विदित गुजराती और कार्तिकेयन मुरली तथा ईरान के परम माघसोदलो जैसे खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे। गुकेश ने जीत के बाद ट्वीट किया, ''विश्व शतरंज की आर्मेगेडोन चैंपियनशिप सीरीज 2023 का रोमांचक एशिया ओसियाना ग्रुप जीतने की खुशी है।'' पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने इस युवा ग्रैंडमास्टर की उपलब्धि की सराहना की। आनंद ने ट्वीट किया, ''डी गुकेश को बधाई। शानदार उपलब्धि विशेषकर अलग तरह के समय नियंत्रण को देखते हुए। गर्व है कि वाकाचेस के हमारे शिष्य ने हमें एक बार फिर गौरवांवित किया।'' टूर्नामेंट के प्रत्येक दिन मैच में दो ब्लिट्ज बाजियां खेली जाती थी और अगर जरूरत पड़ी तो आर्मेगेडोन बाजी (सफेद मोहरों के लिए पांच मिनट, काले मोहरों के लिए चार मिनट) खेली जाती थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

सेंसेक्स में 13.54 अंक की मामूली बढ़त

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बढ़त में रहे। हालांकि, कंपनियों के तिमाही परिणामों से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 13.54 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 59,846.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 276.14 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 24.90 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,624.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स सबसे अधिक पांच प्रतिशत के लाभ में रहा। इसके अलावा विप्रो, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में भी तेजी रही।

रेलवे को 55,000 पहियों की आपूर्ति करेगी आरआईएनएल

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल) भारतीय रेलवे की मांग को पूरा करने के लिए चालू वित्त वर्ष (2023-24) में 55,000 पहियों (व्हील्स) का उत्पादन करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अतुल भट्ट ने यह जानकारी दी। विशाखापत्तनम की कंपनी आरआईएनएल ने उत्तर प्रदेश के लालगंज में एक पहिया संयंत्र लगाया है। इसकी सालाना उत्पादन क्षमता एक लाख फोर्ज्ड पहियों की है। इस संयंत्र पर 2,350 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। आरआईएनएल ने बीते वित्त वर्ष में रेलवे को 2,465 लोको पहियों और 2,639 एलएचबी पहियों की आपूर्ति की है। बहुत जल्द इस संयंत्र का उत्पादन बढ़ाया जाएगा जिससे चालू वित्त वर्ष के लिए रेलवे की 55,000 पहियों की मांग को पूरा किया जा सके।''

मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में 41 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदेगी टेमासेक

नईदिल्ली। सिंगापुर की निवेश कंपनी टेमासेक बेंगलुरु की मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में 41 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इससे टेमासेक के पास मणिपाल हेल्थ की नियंत्रक हिस्सेदारी आ जाएगी। सोमवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। दोनों कंपनियों ने इसके वित्तीय ब्योरे का खुलासा नहीं किया है। सूत्रों ने बताया कि टेमासेक यह हिस्सेदारी 16,300 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे में खरीदेगी। इस लिहाज से मणिपाल हेल्थ का मूल्यांकन करीब 40,000 करोड़ रुपये बैठता है। इस तरह यह भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का सबसे बड़ा सौदा होगा। यह सौदा पूरा होने के बाद मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी रह जाएगी। बयान में कहा गया है कि टेमासेक के पूर्ण स्वामित्व वाली शीयर्स हेल्थकेयर ग्रुप की कंपनी में 18% हिस्सेदारी कायम रहेगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग 22-23 में उच्चस्तर पर

नईदिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग बीते वित्त वर्ष 2022-23 में 56 प्रतिशत बढ़कर 12,232 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। आवासीय संपत्तियों की मांग बढ़ने से कंपनी की बिक्री में उछाल आया है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष में अपने सबसे अधिक बिक्री बुकिंग दर्ज की है। चौथी तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग 4,051 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी की बिक्री बुकिंग 7,861 करोड़ रुपये रही थी। इस बारे में संपर्क करने पर गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने कहा, ''बीते वित्त वर्ष में कंपनी के अच्छे प्रदर्शन की वजह यह है कि हमारे पास देशभर में परियोजनाओं का मजबूत पोर्टफोलियो है।''

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत

बिक्रम उपाध्याय

इस समय की दुनिया हाई इंट्रेस्ट रेजीम यानी उच्च ब्याज दर की व्यवस्था में चल रही है। अमेरिका में ब्याज दर 2007 के बाद से अब तक सबसे अधिक है। वहां ब्याज दर 5 फीसदी से अधिक हो गई है जबकि मार्च 2018 में केवल डेढ़ प्रतिशत थी। यानी पांच साल में 300 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इसी तरह ब्रिटेन में मौजूदा ब्याज दर 4.25 प्रतिशत है जो कि पांच साल पहले एक प्रतिशत से भी कम थी। यानी पांच साल में लगभग 500 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। फ्रांस में ब्याज दर 3.5 प्रतिशत है जो कि पांच साल पहले 2018 में 0.65 प्रतिशत थी। यहां भी पांच साल में 5 गुणा ब्याज दर में बढ़ोतरी हो गई है। जर्मनी में भी ब्याज दर पांच साल में एक फीसदी से भी कम से बढ़कर आज 3.5 प्रतिशत है। जबकि भारत में ब्याज दर में पिछले पांच साल में केवल 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2018 में भारत में बैंक ब्याज दर 4 प्रतिशत थी जो कि इस समय 6.5 प्रतिशत है। यहां यह उल्लेख करना जरूरी है कि ये सारे आंकड़े इन सभी देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा घोषित हैं।

ये वही देश हैं जिनके साथ हमारी अर्थव्यवस्था का आंकलन किया जाता है। हां अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर चीन है, जहां ब्याज दरों की बढ़ोतरी पर बहुत हद तक अंकुश है। चीन ने वर्षों से बैंक ब्याज दर को 3.5 प्रतिशत के आस पास बनाए रखा है। यदि एशियाई देशों में लागू बैंक ब्याज दर देखें तो भारत लगभग सभी क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं से ज्यादा स्थिर है। इस समय म्यांमार में 7 प्रतिशत, नेपाल में 8.5 प्रतिशत, पाकिस्तान में 21 प्रतिशत और श्रीलंका में 15.5 प्रतिशत बैंक ब्याज दर है। यह सामान्य सी बात है कि बैंक ब्याज दर में स्थिरता या न्यूनतम भटकाव ना सिर्फ मजबूत अर्थव्यवस्था का द्योतक है, बल्कि सिस्टम में आवश्यक साख की आपूर्ति भी है। भारत के आंकड़े हमें निश्चितता प्रदान करते हैं। 6 अप्रैल को जारी मौद्रिक नीति में ब्याज दर में किसी भी वृद्धि की घोषणा नहीं होना और सुकून देता है।

अर्थव्यवस्था के सुचारू रूप से चलने का एक आधार कर संग्रह भी है। इस मार्च में एक लाख 60 हजार करोड़ का रिकार्ड जीएसटी संग्रह बताता है कि भारत का व्यावसायिक वर्ग किसी मंदी के अंदेशे या किसी अस्थिरता की आशंका से ग्रसित नहीं है। उसे भारत की अर्थव्यवस्था और सरकार दोनों पर भरोसा है। इस साल चौथी बार जीएसटी संग्रह डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा रहा। अन्य करों का संग्रह भी लगातार बढ़ रहा है। फिर भी यह कहना ठीक नहीं है कि कर जीडीपी का हमारा अनुपात काफी ठीक है। भारत का टैक्स जीडीपी अनुपात 7.8 है, जबकि चीन का 12.6 प्रतिशत। अमेरिका और यूरोप में टैक्स जीडीपी अनुपात 18 से 25 प्रतिशत तक है। यानी रिकार्ड कर संग्रह होने के बावजूद अभी हम कई देशों से पिछड़े हैं।

इस समय पूरी दुनिया में अकेले भारत ही है जिसका जीडीपी ग्रोथ 6 प्रतिशत से अधिक है। चीन अभी भी 5 प्रतिशत से अधिक जीडीपी ग्रोथ का दावा नहीं कर रहा है। बाकी देशों में विकास दर दो से तीन प्रतिशत को काफी माना जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वर्ष 2022-23 में भारत में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहेगी, जबकि विश्व बैंक ने अनुमान घटाकर इसे 6.3 प्रतिशत कर दिया है। किसी ने भी जीडीपी वृद्धि दर में 6 प्रतिशत से कम का आकलन नहीं किया है।

मंदी की आहट और रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से कई देशों के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। विदेशी मुद्रा भंडार का आकलन हम डॉलर के संदर्भ में करते हैं और अमेरिका को छोड़ कर बाकी देशों के मुद्रा भंडार को हम उसकी अर्थव्यवस्था की मजबूती के आधार के रूप में देखते हैं। चीन के पास सबसे अधिक विदेशी मुद्रा का भंडार है, लगभग 3315 बिलियन डॉलर। अमेरिका के साथ व्यापारिक पंगा और अन्य कई देशों द्वरा चीन के बहिष्कार के कारण पिछले एक साल में चीन के विदेशी मुद्रा भंडार में 57 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। लेकिन भारत औसत 580 बिलियन डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार के साथ स्थिर है। यानी भारत के प्रति विदेशी निवेशकों का विश्वास बना हुआ हैं।

उद्योगपतियों पर क्यों साधा जाता है निशाना?

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अडाणी मुद्दे पर केंद्र सरकार के पक्ष का समर्थन करते हुए कहा है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे की जांच के लिए एक कमेटी बैठा दी है तो जेपीसी की मांग पर जोर नहीं देना चाहिए। उनके इस बयान के तमाम राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। लेकिन अपने आपको अनुभवी नेता कहलवाने वाले पवार ने यदि यह बयान कुछ समय पहले दिया होता और विपक्षी दलों को समझाया होता तो संभवत: संसद सत्र का कीमती समय बर्बाद नहीं हुआ होता। पवार ने जेपीसी की जरूरत नहीं है, के अलावा यह भी कहा है कि एक जमाना ऐसा था जब सत्ताधारी पार्टी की आलोचना करनी होती थी तो हम टाटा-बिड़ला का नाम लेते थे। आजकल हम अंबानी-अडानी का नाम लेते हैं।

यहां सवाल शरद पवार और उन तमाम विपक्षी दलों के नेताओं से है कि क्यों सरकार पर हमला बोलने के लिए उद्योगपतियों पर निशाना साधा जाता है? राष्ट्र निर्माण में उद्योगपतियों का योगदान कम नहीं बल्कि इन हंगामा करने वाले नेताओं से ज्यादा ही है। जब देश आजाद हुआ था तब यहां सुई भी नहीं बनती थी और आज हम हर चीज बना रहे हैं। यदि हम इस काबिल बने हैं तो इसका श्रेय निजी क्षेत्र को ही सर्वाधिक जाता है क्योंकि निवेश करने का जोखिम उद्योगपतियों ने ही उठाया। हमें एक बात और समझनी होगी कि उद्योगपति यदि पैसा लगायेगा तो वह चैरिटी के लिए तो लगायेगा नहीं, मुनाफा कमाने के उद्देश्य से ही लगायेगा। लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि उसके मुनाफा कमाने के उद्देश्य से कितने लोगों को रोजगार मिलता है, कितने लोगों का घर चलता है।

एक तरफ सरकारी नौकरियां कम होती जा रही हैं और यदि दूसरी तरफ हम निजी क्षेत्र का रास्ता रोकने लगेंगे तो नौकरियां देगा कौन? हिंडनबर्ग कौन है, कहां से आया, उसकी रिपोर्ट का आधार क्या था, यह जाने समझे बिना सभी अडाणी के पीछे पड़ गये। इस सबसे नुकसान क्या सिर्फ अडाणी का हुआ? नुकसान तो शेयरधारकों का भी हुआ। इसके अलावा हालिया विवाद के बाद अडाणी ने कई प्रोजेक्ट्स पर काम रोक दिया है। जाहिर है इससे निवेश और रोजगार के अवसर प्रभावित होंगे? इसके लिए जिम्मेदार कौन है? एक तरफ विपक्ष कहता है कि देश में बेरोजगारी बढ़ रही है और दूसरी तरफ हम कंपनियों और निवेशकों के इरादों पर पहले ही सवाल उठाते हुए उनकी राह में बाधा खड़ी करने लगते हैं जिससे रोजगार के जो अवसर पैदा होने वाले थे वह नहीं हो पाते। विपक्ष को समझना होगा कि उसके हमले टाटा बिड़ला और अडानी अंबानी तो झेल जाएंगे लेकिन विपक्ष के उद्योग विरोधी आंदोलनों से अन्य निवेशक घबराएंगे या अपने इरादे बदलेंगे। इस सबका खामियाजा आखिरकार देश की अर्थव्यवस्था को ही भुगतना होगा।

भाजपा की चार दशक की विकास यात्रा

शेखर गुप्ता

भाजपा के जन्मदिन को पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी उसका पुनर्जन्म दिन कहना पसंद करते हैं क्योंकि उसका जन्म सन 1980 में ईस्टर के सप्ताहांत पर हुआ था। उसके 43वें जन्मदिन के अवसर पर काफी कुछ लिखा गया। इस बीच पार्टी की दूसरी बार बनी सरकार अपने कार्यकाल के आखिरी वर्ष में प्रवेश कर रही है।

अगले वर्ष इस समय तक कुछ दौर का मतदान हो चुका होगा। फिलहाल जैसे हालात हैं उस हिसाब से तो विपक्ष की तमाम कवायद के बावजूद भाजपा हारती हुई नहीं नजर आती। पार्टी को यह कद अपने संस्थापकों के अधीन भी हासिल नहीं था। अभी भी काफी हद तक यह वही दल है जो जनता पार्टी की राख से निर्मित हुई थी लेकिन नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अब जे पी नड्डा के नेतृत्व में काफी कुछ बदल चुका है। यह देखने का अच्छा समय है कि 43 वर्ष पुरानी पार्टी आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित पार्टी के कितने समान है और कितनी बदली हुई है।

एक बात जो नहीं बदली है वह है उसकी विचारधारा। पार्टी के संस्थापक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचाराधारा के प्रति सच्चे रहे। बाहर से भी तमाम लोग पार्टी में आए। मोदी-शाह के काल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दूसरे कार्यकाल में भी तमाम नेता बाहर से आए लेकिन शीर्ष नेतृत्व हमेशा एक ही विचारधारा का रहा। इनमें पार्टी के अध्यक्ष, प्रमुख महासचिव, ज्यादातर राज्यों के प्रमुख शामिल हैं। यह नेतृत्व संघ की विचारधारा के करीब है।

यद्यपि कई अंतर भी आए। हालांकि आप कह सकते हैं कि ये आंकड़ों की हकीकत भी दर्शाते हैं क्योंकि पार्टी के संस्थापकों को कभी बहुमत नहीं हासिल हुआ। विविधतापूर्ण गठबंधन को एकजुट रखने के लिए यह जरूरी था कि विचारधारा के कुछ तत्त्वों को ठंडे बस्ते में रखा जाए। जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करना, राम मंदिर निर्माण और समान नागरिक संहिता लागू करने की कोशिश इनका प्रमुख उदाहरण हैं।

उनके उत्तराधिकारियों ने बहुमत हासिल किया और उपरोक्त तीन में से दो बातों को शीघ्र ही हकीकत में बदला। तीसरे को बारीकी से लागू किया जा रहा है। तीन तलाक शुरुआत थी, विवाह की न्यूनतम आयु और बहु विवाह की दिशा में निश्चित पहलकदमी हो रही है।

यह तथ्य है कि संस्थापकों ने एक वैचारिक पार्टी खड़ी की जो सन 1977 के जनता पार्टी के प्रयोग में खो सी गई थी। जिन पांच प्रमुख घटकों से मिलकर जनता पार्टी बनी थी वे थे भारतीय जन संघ, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (ओ), सोशलिस्ट पार्टी, भारतीय लोक दल (चरण सिंह) और बाबू जगजीवन राम की कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी। इन पांचों में से केवल एक दल बचा और नये अवतार के रूप में सामने आया और वह था भाजपा।

बाकी सभी दल हाशिये पर चले गए और कुछ राज्यों तक या जाति विशेष के दलों में सिमट कर रह गए। समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल ऐसे ही दल हैं। समाजवादी धड़ा जॉर्ज फर्नांडिस के अधीन और अब नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड तक सिमट गया है।

जनता पार्टी की तकदीर को सन 1948 में मोहम्मद रफी और सुरैया की आवाज में आए युगल गीत से समझा जा सकता है जिसके बोल हैं- 'इस दिल के टुकड़े हजार हुए, कोई यहां गिरा, कोई वहां गिरा।' इनमें से केवल एक दल उभरा और आज अतुलनीय ढंग से हम पर शासन कर रहा है। जन संघ के भारतीय जनता पार्टी के रूप में उदय के पीछे स्पष्ट विचारधारा भी एक ठोस वजह रही।

अगर विचारधारा इतनी प्रभावी थी तो इसके साथ ही एक बोझ भी था जिसने दूसरों को साथ आने से रोका। इनमें ऐसे लोग भी थे जो कांग्रेस और गांधी परिवार से विमुख थे। भाजपा के लिए यह बहुत बड़ी चुनौती बनी रही। ऐसे में अगर मोदी और शाह आज इतने सफल हैं तो उन्हें अपने संस्थापकों, खासकर वाजपेयी का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि वे पार्टी को विपक्षी खेमे में अस्पृश्य की हैसियत से दूर ले आए।

इस दिशा में बड़ा कदम था विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार को समर्थन देना ताकि राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार न बन सके जबकि कांग्रेस उस समय भी सबसे बड़ा दल था। भले ही उस राजनीतिक घटना को आज उतना याद नहीं किया जाता है लेकिन भाजपा द्वारा वाम रुझान वाले एक गठबंधन का समर्थन करना। ऐसा इसलिए कि यह उसकी विचारधारा के एकदम उलट था।

यह राजनीतिक दृष्टि से एकदम उपयुक्त था क्योंकि कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने का यही एक तरीका था। यह कितनी बड़ी चुनौती थी इसे इस बात से समझा जा सकता है कि कैसे बाद में कांग्रेस ने भाजपा विरोधी गठबंधनों को सत्ता में आने में मदद की। इनमें चंद्रशेखर, एचडी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल तक शामिल थे जिन्होंने सन 1990-91 से 1997-98 तक सत्ता संभाली। 'धर्मनिरपेक्ष' ताकतों को एकजुट रखने और 'सांप्रदायिक' शक्तियों को बाहर रखने के नाम पर इसे उचित ठहराना एकदम आसान था।

आडवाणी और वाजपेयी की बात करें तो बाद में इन्हीं में से कुछ दलों को साथ लेना एक बड़ी कामयाबी थी। ममता बनर्जी, चंद्रबाबू नायडू, नवीन पटनायक, राम विलास पासवान और कश्मीर का अब्दुल्ला परिवार आदि सभी ने भाजपा के साथ गठबंधन किया। अकाली दल और शिव सेना जैसे नैसर्गिक सहयोगी तो थे ही।

अब अंतर यह है कि भाजपा इतनी ताकतवर हो चुकी है कि उसे किसी साझेदार की जरूरत नहीं। यहां तक कि अकालियों और शिव सेना की भी नहीं। इसलिए उसने एक को त्याग दिया और दूसरे को तोड़ दिया। वह छोटी जाति आधारित पार्टियों से स्थानीय स्तर पर जरूरत के मुताबिक समझौते कर सकती है, खासतौर पर हिंदी क्षेत्र में लेकिन वह किसी पर निर्भर नहीं है। दो अपवाद हैं अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम और एकनाथ शिंदे की शिव सेना। परंतु देखना होगा कि शिंदे की शिव सेना कितनी टिकाऊ साबित होती है।

अगर भाजपा शुरुआती अस्पृश्यता की चिंताओं को पीछे छोड़कर इतना विशाल कद हासिल कर चुकी है तो साथ ही उसने शुरुआती विचारों से कुछ दूरी भी बनाई है। आप उसे इसका विकास कह सकते हैं।

पहली बात, पार्टी में अब एक व्यक्ति का कद हावी है। याद रहे इंदिरा गांधी के दौर में पार्टी इसी के खिलाफ थी। वाजपेयी-आडवाणी युग में भी सत्ता में दोनों के साथ अन्य लोगों की साझेदारी थी। संघ समेत असहमत लोगों के कुछ कहने की पूरी गुंजाइश थी। अब संघ सरकार का पूरा समर्थन करता है और उसके सभी कदमों को सराहता है। आप कह सकते हैं कि अगर सरकार उसकी विचारधारा के मुद्दों पर खरी उतर रही है तो भला वह शिकायत क्यों करेगा

अगला है राजनीति को लेकर बुनियादी रुख। वाजपेयी अक्सर कहा करते थे, 'राजनीति सौदा नहीं है।' उनके उत्तराधिकारियों ने लेनदेन वाली राजनीति का अपना अलग ही संस्करण तैयार किया है।

वाजपेयी ने एक मजबूत केंद्रीकृत प्रधानमंत्री कार्यालय तैयार किया था और संघ अक्सर उस पर प्रश्न करता था। मोदी के नेतृत्व में यह कार्यालय और अधिक शक्तिशाली है और किसी को शिकायत नहीं है। हमें याद रखना चाहिए कि वाजपेयी की सरकार में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति में जॉर्ज फर्नांडिस के रूप में कम से कम एक ऐसा व्यक्ति था जो विचाराधारा के स्तर पर बाहरी था।

संस्थापकों ने जो कदम उठाए उनमें प्रतिभा की तलाश शामिल थी। जनवरी 1984 में जब पार्टी राजीव लहर में दो सीटों पर सिमट गई थी तब मैंने भारत के कमजोर पड़ चुके विपक्ष को लेकर वाजपेयी का साक्षात्कार किया था। उन्होंने माना था कि युवा राजीव गांधी की ताकत हैं और वह खुद युवा नेताओं की तलाश में थे। उन्होंने अरुण जेटली और प्रमोद महाजन का नाम लिया था। सच तो यह है कि संस्थापकों के काल में उभरे कई युवा नेता अब पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। मोदी भी उनमें से एक हैं।

मानव संसाधन के इस मानक पर मौजूदा नेतृत्व के रिपोर्ट कार्ड की संस्थापकों से किस प्रकार तुलना होगी क्या हमें अगली पीढ़ी के नेताओं का उभार नजर आ रहा है हिमंत विश्व शर्मा, योगी आदित्यनाथ और शायद देवेंद्र फडणवीस जैसे नेता हैं लेकिन ये उतनी संख्या में नहीं हैं जितनी संख्या में संस्थापकों के काल में थे।

भाजपा 43 वर्ष की हो चुकी है और प्रगति जारी है। इस बीच राजनीतिक तौर तरीके बदले हैं लेकिन विचारधारा के स्तर पर वही निरंतरता है। यह आपको पसंद है या नहीं यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस सोच से आते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्यापानषद् (भाग-01)

बताते हुए यह उपनिषद् अथर्ववेद से सम्बद्ध है। इसमें योगविद्या का समग्र वर्णन महर्षि शाण्डिल्य और मुनि अथर्वा के प्रश्नोत्तर रूप में प्रस्तुत है। इसमें कुल तीन अध्याय हैं। प्रथम अध्याय 11 खण्डों वाला विस्तृत है। जिसका शुभारम्भ शाण्डिल्य ऋषि के आत्मतत्त्व की प्राप्ति के उपाय स्वरूप अष्टाङ्गयोग के प्रश्न से हुआ महामुनि अथर्वा इसके उत्तर में अष्टांगयोग का विशद वर्णन करते हैं। यम-नियम को दस-दस पातंजलयोग से इसकी विशिष्टता सिद्ध कर देते हैं। नाड़ी शोधन की प्रक्रिया का विशेष रूप से उल्लेख करते हैं, जिससे प्राण-जय किया जा सके और अनेकानेक सिद्धियों का अधिकारी बना जा सके।

वह दूसरे अध्याय में ऋषि शाण्डिल्य ने महामुनि अथर्वा से ब्रह्म विद्या का रहस्य पूछा है, जिसके उत्तर में महामुनि ने ब्रह्म का सर्वव्यापी स्वरूप, उसकी अनिर्वचनीयता, उसका लोकोत्तर रूप बताते हुए कहा कि ब्रह्म तुम्हीं हो, उसे ज्ञान के द्वारा जानो। तीसरे अध्याय में ऋषि शाण्डिल्य ने पुन: प्रश्न किया कि जो ब्रह्म एक, अक्षर, निष्क्रिय, शिव, सत्तामात्र एवं आत्म स्वरूप है, उससे जगत् का निर्माण, पोषण एवं संहार किस प्रकार हो सकता है ? इसके उत्तर में महामुनि ने ब्रह्म का सकल, निष्कल एवं सकल-निष्कल भेद बताते हुए कहा कि ब्रह्म के सकल - निष्कल रूप से उसके संकल्प मात्र से सृष्टि का प्राकट्य, विकास और विलय होता रहता है। अन्त में ब्रह्म, आत्मा, महेश्वर एवं दत्तात्रेय शब्द का निर्वचन प्रस्तुत करते हुए आदि देवपुरुष दत्तात्रेय का सतत ध्यान करते रहने की बात कही और यह भी कहा कि इसी ध्यान से मनुष्य समस्त पापों से मुक्त होकर परम कल्याण (मोक्ष) का अधिकारी बन जाता है। महर्षि शाण्डिल्य अथर्वा मुनि से पूछते हैं कि हे मुने! आत्मतत्त्व की प्राप्ति के उपाय स्वरूप अष्टाङ्ग योग का वर्णन करने की कृपा करें। ऐसा सुनकर उन अथर्वा मुनि ने कहा- हे महर्षे! यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि-ये ही योग के आठ अंग कहे गये हैं। यम एवं नियम की संख्या दस- दस है, आसन आठ प्रकार के हैं, प्राणायाम की संख्या तीन है, प्रत्याहार एवं धारणा दोनों के पाँच- पाँच भेद हैं, ध्यान दो प्रकार के होते हैं तथा समाधि का एक ही भेद है।

क्रमश:....

बाल-विवाह विरोधी और विधवा-विवाह के समर्थक थे ज्योतिबा फुले

महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 1827 ई. में पुणे में हुआ था। ज्योतिराव गोविंदराव फुले 19वीं सदी के एक महान समाजसुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी कार्यकर्ता थे। इन्हें महात्मा फुले एवं जोतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है। इन्होंने अपना पूरा जीवन स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार दिलाने, बाल विवाह को बंद कराने में लगा दिया। फुले समाज की कुप्रथा, अंधश्रद्धा की जाल से समाज को मुक्त करना चाहते थे। 28 नवंबर, 1890 को 63 साल की उम्र में उनका निधन हुआ था।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने साल 1848 में लड़कियों के लिए देश का पहला महिला स्कूल खोला था। पुणे में खोले गए स्कूल में उनकी पत्नी सावित्रीबाई पहली शिक्षिका बनीं। तब समाज के एक तबके ने इसका विरोध भी किया था और ज्योतिबा फुले को अपना स्कूल बंद करना पड़ा। हालांकि, फिर उन्हें किसी ने स्कूल के लिए अपनी जगह मुहैया कराई। ज्योतिराव फुले ने दलितों और वंचितों को न्याय दिलाने के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की थी। समाज परिवर्तन के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए 24 सितंबर 1873 को इसकी स्थापना की गई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य शूद्रों-अतिशूद्रों को न्याय दिलाना, उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें उत्पीड़न से मुक्ति दिलाना, वंचित वर्ग के युवाओं के लिए प्रशासनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना आदि शामिल था। ज्योतिराव फुले को उनकी समाज सेवा से प्रभावित होकर 1888 में मुंबई की एक सभा में महात्मा की उपाधि से नवाजा गया।

अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं-गुलामगिरी, तृतीय रत्न, छत्रपति शिवाजी, राजा भोसला का पखड़ा, किसान का कोड़ा, अछूतों की कैफियत. महात्मा ज्योतिबा व उनके संगठन के संघर्ष के कारण सरकार ने 'एग्रीकल्चर एक्ट' पास किया। ज्योतिबा ने ब्राह्मण-पुरोहित के बिना ही विवाह-संस्कार आरम्भ कराया और इसे मुंबई उच्च न्यायालय से भी मान्यता मिली। वे बाल-विवाह विरोधी और विधवा-विवाह के समर्थक थे।

उनके पहले स?कूल में लड़कियों को पढ़ाने के लिए जब कोई योग्य अध्यापिका नहीं मिलीं तो इस काम के लिए उन्होंने अपनी सावित्री फुले को इस योग्य बनाया। उच्च वर्ग के लोगों ने आरंभ से ही उनके काम में बाधा डालने की कोशिश की लेकिन जब फुले आगे बढ़ते ही गए तो उनके पिता पर दबाब डालकर पति-पत्नी को घर से निकालवा दिया। इससे कुछ समय के लिए उनका काम रुका जरूर लेकिन शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिए।

चीन, चालबाजी और नाम बदलने वाली साजिश

अभिनय आकाश

चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर फिर से अपने दावे पर जोर देने के मकसद से इस भारतीय राज्य के लिए चीनी, तिब्बती, पिनयिन अक्षरों में नामों की तीसरी लिस्ट जारी की है। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश के लिए 11 जगहों के मानकीकृत नाम जारी किए हैं। आपको बता दें कि चीन की इसी तरह की हरकतों पर भारत दो टूक जवाब दे चुका है। भारत पहले भी अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नाम बदलने के चीनी कदम को खारिज कर चुका है और वो कहता रहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग रहा है और हमेशा रहेगा। गढ़े गए नामों से ये तथ्य नहीं बदलता।

ड्रैगन हमेशा से अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहा है। भारत के किसी भी नेता के अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने पर वो चिढ़ जाता है। लेकिन अब उसने तो दो कदम आगे बढ़ाते हुए अपने भौगोलिक नक्शे पर अरुणाचल की जगहों के नाम भी बदल दिए हैं। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के लिए चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षरों में नामों का तीसरा सेट जारी किया। इस कदम को शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले देश के भारतीय राज्य पर अपने दावे पर फिर से जोर देने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। चीन 2017 से अब तक तीन बार अपने भौगोलिक नक्शे पर भारतीय जगहों का नाम बदलने का दुस्साहस कर चुका है। लेकिन अप्रैल को जारी चीन के नए लिस्ट में अरुणाचल के 11 इलाकों के नाम बदले हुए हैं। जिनमें दो जमीनी और दो रिहायिशी इलाके हैं। जबकि पांच पहाड़ियांऔर दो नदियों के नाम भी शामिल है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा मानता है।

चीनी सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों के मानकीकृत नामों की सूची जारी करने के दो दिन बाद, भारतीय अधिकारियों ने 4 अप्रैल को कहा कि उन्होंने इस कदम को एकमुश्त खारिज कर दिया है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक बयान में स्पष्ट रूप से कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह का प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न, अविच्छेद्य अंग है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि आविष्कार किए गए नामों को जारी करने के प्रयास से वास्तविकता नहीं बदलेगा। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने ऐसा कुछ किया है। इसने 2017 और 2021 में अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के मानकीकृत नामों के दो अलग-अलग सेट जारी किए।

चीन अरुणाचल प्रदेश के लगभग 90,000 वर्ग किमी के क्षेत्र को अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है। यह क्षेत्र को चीनी भाषा में ज़ंगनान कहता है और दक्षिण तिब्बत के लिए बार-बार संदर्भ देता है। चीनी मानचित्र अरुणाचल प्रदेश को चीन के हिस्से के रूप में दिखाते हैं, और कभी-कभी इसे तथाकथित अरुणाचल प्रदेश के रूप में संदर्भित करते हैं। चीन भारतीय क्षेत्र पर इस एकतरफा दावे को रेखांकित करने के लिए समय-समय पर ऐसा प्रयास करता है। अरुणाचल प्रदेश में स्थानों को चीनी नाम देना उसी प्रयास का हिस्सा है।

पहली सूची 14 अप्रैल, 2017 को सामने आई, जिसमें राज्य के छह स्थान शामिल थे। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने उस समय कहा कि मानकीकृत नामों का पहला बैच जारी कर रहा था। चीनी सरकार ने कहा कि स्थानों के नामों के प्रबंधन पर प्रासंगिक नियमों के अनुसार, विभाग ने चीन के दक्षिण तिब्बत क्षेत्र में कुछ स्थानों के नामों का मानकीकरण किया है। हमने दक्षिण तिब्बत (कुल छह) में स्थानों के नामों का पहला बैच जारी किया है। उस समय उस सूची में छह नाम वोग्यानलिंग, मिला री, क्वाइडेंगार्बो री, मेनकुका, बुमो ला और नामकापुब री रोमन वर्णमाला में लिखे गए थे। नामों के साथ सूचीबद्ध अक्षांश और देशांतर क्रमश: तवांग, क्र दादी, पश्चिम सियांग, सियांग (जहां मेचुका या मेनचुका एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है), अंजाव और सुबनसिरी के रूप में उन स्थानों को दर्शाता है। पहली सूची जारी होने के बाद भारत ने चीनी अधिनियम की निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि अपने पड़ोसी देशों के नाम बदलने या उनके नाम गढ़ने से अवैध कब्जे को कानूनी नहीं बनाया जा सकता है। फिर, साढ़े चार साल बाद, चीन ने राज्य में जगहों के लिए नामों का एक और सेट जारी किया। सरकारी ग्लोबल टाइम्स के अनुसार इसमें आठ रिहायशी इलाके, चार पहाड़, दो नदियां और एक पहाड़ी दर्रा शामिल है। इस बार भी इसने इन स्थानों के अक्षांश और देशांतर प्रदान किए थे।

चीन का तर्क क्या है?

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना मैकमोहन रेखा की कानूनी स्थिति पर विवाद है। अरुणाचल प्रदेश की ऐतिहासिक व भौगोलिक पृष्?ठभूमि की बात करें तो तिब्बत, बर्मा और भूटानी संस्कृति का प्रभाव आसानी से देखा जा सकता है। तवांग में 16वीं सदी में बना बौद्ध मठ इसकी खास पहचान है। तिब्बत में रहने वाले बौद्ध समुदाय के लोगों के लिए काफी पवित्र माना जाता है। बताया जाता है कि प्राचीन समय में तिब?बत के शासकों व भारतीय शासकों के बीच इसे लेकर कोई विवाद पैदा नहीं हुआ था और वे आपस में समन?वय से रहा करते थे। इसलिए उन?होंने अरुणाचल और तिब?बत के बीच कोई निश्चित सीमा रेखा भी निर्धारित नहीं की थी। लेकिन 20वीं सदी की शुरुआत में %राष्ट्र-राज्य% की अवधारणा के साथ ही सीमाओं को तय किए जाने की आवश?यकता महसूस की जाने लगी। तब भारत एक स?वतंत्र मुल?क नहीं, बल्कि ब्रिटिश साम्राज?य के अधीन एक उपनिवेश था। तवांग में बौद्ध मठ होने के मद्देनजर सीमाओं का निर्धा?रण शुरू किया गया, जिसके लिए 1914 में तिब्बत, चीन और ब्रिटिश भारत के प्रतिनिधियों के बीच शिमला में एक बैठक भी हुई।

शिमला समझौता क्या है?

1914 में जब भारत में ब्रिटिश शासन था और तिब्बत सरकार के साथ शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। ब्रिटिश सरकार के एक प्रशासक सर हेनरी मैकमोहन तिब्बत सरकार के प्रतिनिधि के साथ समझौता करने वाले व्यक्ति थे। जिनके नाम पर तिब्बत और भारत की सीमा को मैकमोहन लाइन का नाम दिया गया। लेकिन चूंकि चीन तिब्बत को स्वायत्त नहीं मानता है, इसलिए उसने तिब्बत सरकार द्वारा हस्ताक्षर किए उस समझौते को भी कभी नहीं माना। वहीं दूसरी ओर भारत में मैकमोहन लाइन को दर्शाता हुआ मानचित्र आधिकारिक रूप से 1938 में प्रकाशित हो गया था और तब ही से ये मान्य है। इस सम्मेलन में मानत्रित का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं रखा गया। बस एक मैप पर लाइनों के सहारे आउटर तिब्बत को इनर तिब्बत और इनर तिब्बत को चीन से अलग कर दिया गया। दो मानचित्र आए। पहला 27 अप्रैल 1914 को जिसपर चीन के प्रतिनिधि ने दस्तखत कर दी। दूसरा आया 3 जुलाई 1914 को ये डिजेस्ड मैप था जिस पर चीन ने हस्ताक्षर से इनकार कर दिया। दूसरी ओर भारत में मैकमोहन लाइन को दर्शाता हुआ मानचित्र आधिकारिक रूप से 1938 में प्रकाशित हो गया था और तब ही से ये मान्य है।

गांधी आज

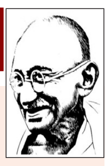

ग्राम सेवक के कर्तव्य(भाग- 02)

जहाँ ऐसी व्यवस्था हो वहाँ किसान जबतक इस प्रकार इकट्ठे हुए मल को हिस्से के मुताबिक बॉट लेना न सीख लें तबतक ग्राम- सेवक को रास्ते की तरह ही घूर को भी साफ करना चाहिए। गांव के रास्तों को पक्का और अच्छा बनाने के उपाय करना ग्राम सेवक का काम है। स्थानिक परिस्थिति के अनुसार ये उपाय भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। गाँव के बड़े-बूढ़े कभी-कभी इसमें सलाह दे सकते हैं। सफाई से फुर्सत पाने के बाद ग्राम सेवक को आवश्यक औजार और साधन लेकर गाँव में चलनेवाले चरखे, धनुष, ओटनी आदि की जाँच के लिए निकलना चाहिए। जहाँ दुरुस्ती की ज़रूरत जान पड़े वहाँ कर दे और करना सिखा दे। नवसिखियों के काम की जाँच करके उन्हें उचित सूचनाएं दे। नए उम्मीदवारों को अलहदा समय देकर उन्हें शिक्षा दे। इसके लिए गाँव में जिस वक्त साधारणत: ये काम चलते हों उसी समय जाँच के लिए निकलना चाहिए। कताई, बुनाई या दूसरे धंधों की व्यवस्था ग्राम सेवक के द्वारा होती हो तो उसके लिए समय निश्चित करके लोगों को उसी समय आने की आदत डलवानी चाहिए और उस बीच माल की जाँच करके उसमें जो सुधार आवश्यक हों वे सुझाने चाहिएं। ग्राम सेवक कम-से-कम दिन में एक बार ऐसे समय जो ग्रामवासियों अनुकूल हो उन्हें एकत्र करके सामूहिक प्रार्थना करे। ग्राम सेवक को संगीत का ठीक ज्ञान होना वांछनीय है। यदि उसे गाना न आता हो तो गाँव के अच्छा गा सकनेवालों से भजन, धुन वगैरा गवाए और दूसरों को उसमें शामिल करे। अधिकांश गाँवों में भजन-मंडलियाँ होती हैं, उन्हें नए और अच्छे भजन सिखाकर प्रार्थना में उनका उपयोग करना चाहिए। प्रार्थना के बाद लोगों को अखबारों से उपयोगी बातें, अच्छे लेख, पुस्तकें, धार्मिक ग्रंथ या कथाएं कह या पढ़कर सुनानी चाहिए। ग्राम सेवक नीचे लिखी सूचनाओं को ध्यान में रखे- गाँव में दलबंदी हो तो वह खुद किसी दल में न मिले, किन्तु तटस्थ रहकर सबकी एक-सी सेवा करे और सबसे समान मित्राचार रखे तथा अपने प्रभाव से कुछ हो सकता हो तो उस दलबंदी को मिटाने का प्रयत्न करे। साधारणत: जहाँ मिठाइयाँ वगैरा खिलाई जानेवाली हों ग्राम सेवक यहाँ का निमंत्रण स्वीकार न करे। ग्रामवासी ग्राम सेवकों के प्रति अपनी ममता दिखाने के लिए भिन्न-भिन्न निमित्तों के बहाने उन्हें निमंत्रण दिया करते हैं और ग्राम सेवक उनका मन न दुखने के खयाल से उन्हें स्वीकार करने लगता है। पर इससे बहुतेरे ग्राम सेवक स्वाद-लोलुप हो जाते हैं और ऐसे घरों तथा अवसरों की खोज में रहते हैं और मिष्ठान्न के न्यौते माँगने में भी नहीं हिचकते।

क्रमश:...

संक्षिप्त समाचार

मंत्री कवासी लखमा ने किया दन्तेश्वरी मां का दर्शन

दंतेवाड़ा। उद्योग मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा अपने एक दिवसीय प्रवास पर आज दंतेवाड़ा पहुंचे। उन्होंने मां दन्तेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्री लखमा गामावाड़ा देवगुड़ी स्थल भी पहुंचे और देवगुड़ी में पूजा अर्चना की। यहां ग्रामीणों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया। श्री लखमा ने ग्रामीणों से चर्चा कर उन तक शासकीय योजनाओं की पहुंच की जानकारी ली। इस अवसर पर सांसद कोरापुट श्री सप्तगिरी शंकर उल्का, विधायक श्रीमती देवती महेंद्र कर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री तुलिका कर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुश्री सुलोचना कर्मा, खाद्य आयोग सदस्य श्री विमल सुराना सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

ट्रेन में सफर के दौरान यात्रियों का मोबाइल पार करने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर। कोतवाली पुलिस ने पुराना बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर चोरी के मोबाइल के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह ट्रेन में सफर के दौरान यात्रियों के मोबाइल पार करता है। इसके अलावा उसने अलग-अलग जगहों से भी मोबाइल चोरी की है। आरोपित युवक के कब्जे से चोरी के 15 मोबाइल जब्त कर कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक पुराना बस स्टैंड के पास मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। इस पर थाना प्रभारी प्रदीप आर्य ने जवानों को कार्रवाई के निर्देश दिए। जवानों ने मौके पर पहुंचकर जमनीपाली इंदिरानगर निवासी दीपक साहू(24) को पकड़ लिया। पूछताछ में वह गोलमोल जवाब दे रहा था। उसके पास 15 मोबाइल मिले। इस पर जवान उसे थाने ले आए। यहां पर कड़ाई करने पर उसने ट्रेन में सफर के दौरान चोरी करना बताया। साथ ही उसने अलग-अलग जगहों से मोबाइल चोरी किया है। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर युवक के खिलाफ कार्रवाई की है।

खूंटाघाट डैम में मिली छात्रा की लाश, हत्या की आशंका

बिलासपुर। बीते 6 अप्रैल से गायब हुई एक कोचिंग छात्रा की लाश आज यानी रविवार सुबह रतनपुर थाना क्षेत्र के खूंटाघाट से बरामद की गई हैं। लाश तैरकर डैम के किनारे पर पड़ी हुई थी जिसपर कुछ लोगो की नजर पड़ी। उन्होंने इसकी सूचना फ़ौरन पुलिस को दी। मौके पर पुलिस ने लाश की शिनाख्त प्रीति भारद्वाज के तौर पर की। प्रीति बीते 6 अप्रैल से गायब थी। घरवालों की शिकायत के बाद उसकी तलाश की जा रही थी। प्रीति भारद्वाज अकलतरा की रहने वाली थी और बिलासपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। गुरूवार 6 अप्रैल को उसने अपने परिजनों को मोबाइल पर मैसेज किया और फिर उसका फोन स्वीच ऑफ़ हो गया। परिजनों ने उसे सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन नही हो पाया। उन्होंने इसकी सूचना बिलासपुर पुलिस को दी। पुलिस की साइबर टीम ने जब तहकीकात शुरू की तो प्रीति का आखिरी लोकेशन उन्हें रतनपुर दिखाया। इसके बाद टीम रतनपुर पहुंची और प्रीति की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता-मालूम नहीं चल पाया। वही आज सुबह मिली लाश प्रीति की निकली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया हैं। पीएम के पश्चात ही मौत की वजह का खुलासा हो सकेगा। मामले की जाँच हर एंगल से की जा रही हैं।

एक साल भी नहीं टिकी नहर पार की सीमेंटीकरण सड़क

पाटन। ग्राम पतोरा खार व चुनकटा जाने वाली छोटी नहर के ऊपर तांदुला जल संसाधन विभाग के ठेकेदार द्वारा बनाई गई करोडो रुपये की सड़क एक साल भी नही टिकी। गुणवत्ताहीन बनाई गई इस सड़क पर से गिट्टी उखड़ने लगे है।जिसके कारण ग्रामीणो को आवागन मे काफी दिक्क्त हो रही है।

नर्सरी में लगी आग : बांस के हजारों पेड़ों पर छाया संकट

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के भाटापारा रोड स्थित सेठ बंशीधर केडिया राइस मिल परिसर के पीछे लगे 14 एकड़ की बांस की नर्सरी में भीषण आग गई। आग लगाने से बांस के हजारों पेड़ों पर संकट सा छा गया है। आग की लपटें इतना तेज था कि राइस मिल तक पहुंच गया । इसके बाद इसकी सूचना दमकल की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में लग गए। कड़ी मशक्क्त से आग बुझाने की कोशिश जारी है।

चंद्रकला ने लगातार आठ घंटे तैर गोल्डन बुक आफ विश्व रिकार्ड में दर्ज की नाम

दुर्ग। जिले के ग्राम उतई निवासी 15 वर्षीय चंद्रकला ओझा ने गांव के ही तालाब में आठ घंटे तक लगातार तैरकर गोल्डन बुक आफ विश्व रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। वह रविवार को सुबह पांच बजे तालाब में उतरीं और दोपहर एक बजे तक लगातार तैरती रहीं। मौके पर उपस्थित गोल्डन बुक आफ विश्व रिकार्ड टीम के सदस्यों ने उन्हें रिकार्ड बनाने का प्रमाणपत्र प्रदान किया। चंद्रकला के कोच उनके चाचा ओम कुमार ओझा ने बताया कि रिकार्ड को दर्ज करने के लिए गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम आठ अप्रैल की रात को ही गांव पहुंच गई थी।

बिरनपुर में युवक की हत्या के विरोध में छत्तीसगढ़ बंद रहा

बेमेतरा। जिले के साजा थाना क्षेत्र के बिरनपुर में हुए सांप्रदायिक विवाद में युवक की मौत के विरोध में विहिप ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया। आज भाजपा और विहिप के कार्यकर्ताओं ने नगर में घूम घूम कर दुकानों को बंद कराया। बेमेतरा के व्यापारी संघ ने बंद को समर्थन देते हुए अपनी दुकानें बंद रखीं। जिले के ब्लॉक मुख्यालय बेरला साजा नवागढ़ में भी व्यापारियों ने दुकानें बंद रखी।

बिरनपुर में हुई घटना के बाद बेमेतरा जिला पुलिस हाई अलर्ट पर है। बिरनपुर गांव में 5 जिलों से 800 जवानों की तैनाती की गई है। गांव पहुंचने से 10 किलोमीटर पहले पुलिस ने बैरिकेट्स लगा दिए हैं।

रविवार को बिरमपुर गांव पहुंचे कमिश्नर महादेव कांवरे ने हालात की समीक्षा की। ग्रामीणों से मुलाकात पर शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की। रविवार को ही देर रात जिले के कलेक्टर पदुम सिंह एल्मा ने साजा रेस्ट हाउस में विभिन्न समाज प्रमुखों के साथ बैठक कर शांति व्यवस्था बनाए रखने अपील की है।

भाजपाईयों ने मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री का फूंका पुतला

सांप्रदायिक झगड़े में युवक के मौत के विरोध में भाजपाइयों ने मुख्य चौक पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और साजा के विधायक और प्रदेश के कृषि मंत्री रविंद्र चौबे का पुतला फूंका है।

बिलासपुर में बंद का रहा मिलाजुला असर, शांतिपूर्ण ढंग से बंद रहा

बिलासपुर। बेमेतरा के बिरनपुर में हुए घटना के विरोध में बिलासपुर में भी बंद का मिला जुला असर रहा। सर्व सनातनी हिंदू समाज और विश्व हिंदू परिषद ने शहर बंद का आह्वान किया था, कई समाजिक और व्यापारिक संगठनों ने बंद को अपना समर्थन दिया। कई जगहों पर बंद को लेकर पशोपेश की स्थिति रही। कुछ जगहों पर मार्केट खुले रहे।

शहर में शांतिपूर्ण ढंग से बंद सफल रहा। विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठन ने रैली निकालकर बंद के लिये समर्थन मांगा और दुकानें बंद करवाई। भाजपा, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता मुख्य बाजार वाले जगहों पर बंद को समर्थन देने की अपील कर रहे थे। भाजपा ने भी बंद को समर्थन दिया और बंद कराने निकले।

हिंदू संगठनों ने बताया कि बेमेतरा के बिरनपुर में युवक की हत्या की गई। ऐसी विरोधी मानसिकता बर्दाश्त करने के लायक नहीं है, आगे भी इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पहले कवर्धा और अब बेमेतरा में समुदाय विशेष को परेशान किया जा रहा है। घटना का विरोध और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर बंद किया गया है। भाजपा ने घटना के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बेमेतरा जिले के साजा विधानसभा क्षेत्र के बिरनपुर

गांव में दो समुदायों के बीच विवाद के बाद युवक की हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद तनाव को देखते हुए गांव में धारा 144 लागू कर दी गई। विहिप ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान कर दिया।

21

रामानुजगंज में दिख रहा बंद का असर, चौक पर पुलिस बल तैनात

बलरामपुर। बेमतरा में शनिवार को सांप्रदायिक हिंसा में एक युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद विहिप ने आज छत्तीसगढ़ बंद का आवाहन किया। रामानुजगंज के व्यापारियों ने बंद को व्यापक समर्थन दिया। बंद के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस भी सक्रिय है। सभी चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। पेट्रोलिंग किया जा रहा है। नगरीय क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी बंद का आवाहन किया गया था। जिस पर लोगों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। सुबह से ही लोगों ने अपनी अपनी दुकानें बंद रखी। छोटे से बड़े दुकानदारों ने बंद कर समर्थन दिया है।

हिंसा को लेकर भिलाई रहा बंद

भिलाई। बेमेतरा में दो समुदायों के बीच के विवाद में हुई हत्या के विरोध में विहिप के बंद का असर दुर्ग भिलाई में भी देखने को मिला। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने बंद का समर्थन किया। पूरे शहर में जगह जगह दुकानें बंद रही। बंद को समर्थन देने हिंदूवादी संगठनों के साथ स्थानीय भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर विहिप के बंद को दूसरे संगठनों ने भी समर्थन दिया।

दुर्ग भिलाई के सभी बाजारों को पूरी तरह से बंद कराने की जद्दोजहद सुबह से चलती रही। बंद को सफल बनाने विहिप, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी शहर में घूमते रहे। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता हाथों में भगवा ध्वज लिए घूमते रहे और खुली दुकानों को बंद कराते रहे। इस दौरान लगभग आधे घंटे तक सुपेला में जिला भाजपा अध्यक्ष ब्रजेश बिचपुरिया के नेतृत्व में चक्काजाम किया गया। भिलाई 3 के सिरसा चौक पर भी चक्काजाम किया गया।

विहिप के बंद को लेकर दुर्ग, भिलाई, भिलाई-3, चरोदा, जामुल, कुम्हारी में सुरक्षा को लेकर पुलिस ने तगड़ी व्यवस्था कर रखी थी। संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ ही पेट्रोलिंग टीम भी शहर में घूम रही थी। कुछ जगहों पर फिक्स प्वाइंट बनाकर पुलिस बल को तैनात किया गया। दुर्ग में पटेल चौक से लेकर इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, पद्मनाभपुर मार्केट में पुलिस टीम मौजूद रही। भिलाई में नेहरू नगर, सुपेला आकाश गंगा, जवाहर मार्केट सहित टाउनशिप में संवेदनशील जगहों पर पुलिस तैनात रही। किसी भी तरह की समस्या के लिए पुलिस ने हेल्प लाइन नंबर भी जारी किया।

बेमेतरा की घटना के बाद कवर्धा में बंद, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कवर्धा। बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव की घटना को लेकर कवर्धा जिला भी पूरी तरह से बंद रहा। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने शहर के चौक और चौराहों में बैरिकेडिंग कर रखी थी। वहीं विश्व हिंदू परिषद ने बाइक रैली निकालकर शहर भ्रमण कर दुकानें बंद करवाई। प्रदर्शनकारियों ने बिरनपुर घटना के लिए आक्रोश जताते हुए दोषियों को फांसी और कार्रवाई की मांग की। रैली को बीजेपी और साहू समाज के पदाधिकारियों ने भी समर्थन दिया। इसके साथ ही जिले की सरहदी सीमा गांव बिरोड़ा में प्रदर्शनकारियों ने राजनांदगांव - कवर्धा नेशनल हाईवे में चक्काजाम कर प्रदर्शन किया।

बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र के बिरनपुर गांव में 07 अप्रैल को बच्चों की लड़ाई में खूनी संघर्ष हो गया। झगड़ा दो समुदायों के बीच बदल गया । मारपीट में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी, डंडा,तलवार और पत्थर से हमला किया। इस विवाद में एक 23 वर्षीय युवक भूनेश्वर साहू की मौत हो गई और पुलिस अधिकारी समेत कई लोग घायल भी हुए। घटना के बाद समाज और भारतीय जनता पार्टी विरोध में उतर गए। वहीं विश्व हिन्दू परिषद परिसर ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

न्यायिक जांच की मांग पर बंद का आह्वान

विश्व हिंदू परिषद ने जांच की मांग को लेकर सोमवार को छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के बाजार, दुकान को बंद और चक्काजाम का आह्वान किया था। इसी वजह से कवर्धा की सभी दुकानें सुबह से ही बंद रही। वहीं कुछ दुकानें खुलीं थी। जिसमें विश्व हिन्दू परिषद ने रैली निकाल कर बंद कराया।

दरअसल घटना स्थल कवर्धा जिला से लगा हुआ गांव है।इसलिए लोगों का आक्रोश घटना को लेकर देखने को मिला।पुलिस प्रशासन ने जगह-जगह बैरिकेडिंग लगा रखी थी। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया था। ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना हो सके।

नियंत्रण में है स्थिति

एएसपी मनीषा ठाकुर रावटे ने बताया कि बेमेतरा घटना को लेकर विश्व हिन्दू परिषद के लोगों ने बंद का आवाह्न किया था। शहर की दुकाने बंद की गई है। संगठन के लोग रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसी प्रकार घटना ना हो शहर का माहौल खराब ना हो इसलिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गया है। जगह-जगह पुलिस के जवान तैनात हैं। वही बिरोड़ा में चक्काजाम भी किया गया। माहौल नियंत्रण है।

मुंगेली में बंद का दिखा असर

मुंगेली। साजा की सांप्रदायिक हिंसा की घटना के विरोध में विहिप और भाजपा ने प्रदेश बंद के आवाहन किया। बंद का का मुंगेली जिले में व्यापक असर देखने को मिला। सुबह से जिले के सभी विकासखंडों की दुकानें बंद रही। भाजपाई भी दुकानों को बंद कराने के लिए सड़कों पर नजर आए। बेमेतरा जिले के साजा ब्लॉक के बिरनपुर गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद युवक की मौत हो गई थी। जिसके बाद से इस मामले को लेकर प्रदेश में सियासत तेज़ हो गई है। विश्व हिंदू परिषद ने इस मामले को लेकर प्रदेश बंद का आवाहन किया था। जिसका प्रदेश भाजपा ने भी समर्थन किया है।

राजनांदगांव में भी दिखा वीएचपी के छत्तीसगढ़ बंद का असर

राजनांदगांव। बेमेतरा हिंसा को लेकर वीएसपी के बुलाए छत्तीसगढ़ बंद का असर राजनांदगांव में भी देखने को मिला। सुबह से ही कई दुकानें बंद दिखीं। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य संगठनों के लोगों ने बाजार में घूम घूम कर दुकानों को बंद कराया। लोगों से दुकान बंद करने की अपील की गई और बंद का समर्थन करने कहा गया। बंद को देखते हुए शहर में बड़ी संख्या में राजनांदगांव पुलिस के आला अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में दो समुदायों के बीच हुई हिंसा से शहर में अशांति फैल गई है। घटना के बाद विश्व हिंदू परिषद ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया। इस बंद का असर राजनांदगांव शहर में भी देखने को मिला। सोमवार सुबह से ही शहर की विभिन्न दुकानें बंद रही और व्यापारियों ने भी अपनी दुकानें बंद रखी। सिर्फ जरूरी वस्तुओं से जुड़ी दुकानें और मेडिकल स्टोर्स ही खुले रहे। राजनांदगांव सीएसपी अमित पटेल ने बताया कि कुछ संगठनों द्वारा लोगों से बंद का आह्वान किया गया था। दुकानें बंद हैं। बंद के मद्देनजर चाक पुलिस ने चौबंद व्यवस्था की है। शहर में चार पेट्रोलिंग टीम चल रही है। इसके साथ ही 20 पॉइंट भी लगाकर निगरानी की जा रही है। मेडिकल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की दुकानें खुली हुई है। अबतक किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई है। राजनांदगांव पुलिस द्वारा पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

भाजयुमो की चुनावी बैठक संपन्न

■ **नितिन नवीन के नेतृत्व में युवा मोर्चा की रणनीति तैयार**

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव व प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन के नेतृत्व में प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई। प्रथम सत्र में भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन ,प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजयुमो प्रदेश सह प्रभारी दीप ज्योति मुंड, प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ,प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्रकार और अंकित जायसवाल,राष्ट्रीय कार्यकसमिति सदस्य गुंजन प्रजापति उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा भाजपा कई लोगो के संघर्ष से बनी है। कल की घटना से आप सभी को समझना होगा कि हमारा शांत छत्तीसगढ़ आज किस ओर जा रहा है । आए दिन साम्प्रदायिक दंगे हों रहे है कवर्धा हो,बस्तर हो ,बेमेतरा हो हम लोगो की आवाज बनेंगे। हमे इस प्रदेश को बचाना होगा। उन्होंने कहा युवाओं को ठगकर कांग्रेस सरकार ने अपराध किया है इसका परिणाम उन्हें भुगतना ही होगा। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन ने कहा कि रोजगार के विषय को लेकर 24 अप्रैल से 26अप्रैल तक रोजगार कार्यालय घेराव की योजना जमीनी स्तर तक बनाके कार्य करना है जज विशेष रूप से नव मतदाता अभियान को मई महीने में करना है। युवाओ से संपर्क अभियान भी करना है। जिसके बाद जून जुलाई में मतदाता सम्मान समारोह आयोजित करना है। श्री नितिन नवीन ने कहा भ्रष्टाचार के विषय मे एक कमिटी बनाकर उसकी वृस्तित योजना बनाई जायेगी ।मंडल बूथ स्तर तक हर प्रदेश ,जिला, मंड़ल के कार्यकर्ताओं का प्रवास करना है। दीप ज्योति मुंड जी ने सभी नवीन कार्यकर्ताओ को बधाई दी। प्रवास को बढ़ाने की बात कही। चुनाव के दृष्टिकोण से इस नवीन टीम से पार्टी को बहुत उमीद है।

जिले में तेज आंधी के साथ जमकर बरसे बादल

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में रविवार देर शाम तेज आंधी के साथ जमकर बारिश हुई। इसके चलते कई मकानों के छप्पर उड़ गए। सबसे ज्यादा बैगा आदिवासी परिवार इससे प्रभावित हुए हैं। उनका जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। घर की छत हट जाने के चलते उनका सारा सामान भीग गया। खुद भी किसी तरह से रात काटी। तेज हवाओं के चलते करीब 20 घंटे से बिजली आपूर्ति भी ठप पड़ी हुई है। इसके बाद भी प्रशासनिक स्तर पर अभी कोई इनका हाल जानने के लिए नहीं पहुंचा है। कुकदूर क्षेत्र में रविवार देर शाम करीब सात बजे अचानक से मौसम ने करवट ली। इसके चलते तेज हवाएं और आंधी चलने लगी। थोड़ी ही देर में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। क्षेत्र के 30 से 40 गांव इससे प्रभावित हुए। क्षेत्र के बैगा आदिवासी ग्राम घोघरा में घरों के छप्पर उड़ गए। जिसके चलते उनके गृहस्थी का सामान और राशन बारिश के पानी में भीग गया। क्षेत्र में अभी भी बिजली सेवा ठप है। बारिश के चलते बैगा आदिवासी परिवार, महिला, पुरुष और बच्चे रात भर भूखे प्यासे जागते हुए पड़े रहे।

भाजपा महिला मोर्चा दुर्ग की जिला अध्यक्ष दिव्या कलिहारी ने की कार्यकारिणी घोषित

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा के अनुमोदन एवं जिला भाजपा प्रभारी राजीव अग्रवाल की स्वीकृति और भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत की सहमति से भाजपा महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष दिव्या साहू ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की है। कार्यकारिणी में दुर्ग जिला संगठन अंतर्गत निवासरत महिला मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यगण जिला कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पदेन शामिल रहेंगे। महिला मोर्चा की नवघोषित कार्यकारिणी निम्नानुसार है -

जिला अध्यक्ष- दिव्या कलिहारी (साहू) (मध्य पाटन), जिला उपाध्यक्ष- रुपेश्वरी साहू (उरला-पटरीपार), अहिल्या यादव (कसारीडीह), रेखा यादव (पीपरछेड़ी), नीतू श्रीवास्तव (बोरसी कसारीडीह), जिला महामंत्री- गायत्री वर्मा (बोरसी कसारीडीह), जयश्री राजपूत (कातुलबोड-पटरीपार), जिला मंत्री- चंद्रिका साहू (मध्य पाटन), मनीषा भारद्वाज देशलहरे (दक्षिण पाटन), ममता जंघेल (अहिवारा), धनेश्वरी वर्मा (घोटवानी धमधा) बिंदु सिंह भुवाल (बोरसी कसारीडीह), जिला कोषाध्यक्ष- मंजूलता अंगारे (रानीतराई दक्षिण पाटन), जिला सह कोषाध्यक्ष - मंजू पाण्डेय (चंडी शितला), जिला कार्यालय मंत्री- केसर गौर (जेवरा मंडल), जिला मीडिया प्रभारी- शुभी लोहिया (सिकोला पटरीपार), जिला सह-मीडिया प्रभारी- प्रीति खरे (सिकोला पटरीपार), जिला सोशल मीडिया प्रभारी- अनुरागिनी तिवारी (चंडी शितला),

जिला कार्यकारिणी सदस्य- संतोषी साहू, रीता देवी सिंह, लता सोनवानी, कुमारी बाई पाल, सुनीता वर्मा, तरुणा चौहान, लता ठाकुर, श्वेता ताम्रकार, चंद्रिका रानी साहू, बसंती गायकवाड, शशि यादव, पूजा चक्रवर्ती, भारती चंद्राकर, सरिता साहू, अनुसूईया साहू, कालिंद्री साहू, वीणा वर्मा।

स्थायी आमंत्रित सदस्य- डॉ. सुश्री सरोज पाण्डेय, रमशीला साहू, उषा टावरी, चंद्रिका चंद्राकर, माया बेलचंदन, अलका बाघमार, अमिता बंजारे, डॉ. मानसी गुलाटी, पार्वती ढीढी, चन्द्रकला मनहर, हर्षा चंद्राकर, बानी सोनी, सरिता मिश्रा, उपासना चंद्राकर, हीमा साहू ।

विशेष आमंत्रित सदस्य - दीपक देवांगन, गायत्री साहू, हेमा शर्मा, पुष्पा वर्मा, लीना देवांगन, शशि साहू, कुमारी बाई, कामिनी देशमुख, उमा भारती साहू, हेमलता देशमुख, सुलेन साहू, कांता साहू।

पुराने कांग्रेस भवन के जीर्णोद्धार के बाद हुआ प्रथम बैठक

राहुल की आवास के लिए जिला कांग्रेस रायपुर ने किया अपना आवास देने पोस्टर के माध्यम से अपील

रायपुर। गांधी मैदान स्थित ऐतिहासिक पुराने कांग्रेस भवन के जीर्णोद्धार पश्चात नये भवन में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय की विधिवत पूजा अर्चना के बाद जिला अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने अपने साथी पदाधिकारियों के साथ कार्यालय प्रवेश किया। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर की मासिक बैठक नये भवन में प्रथम बार सम्पन्न हुई। इस दौरान राहुल गांधी की आवास के लिए जिला कांग्रेस रायपुर ने अपना आवास देने पोस्टर के माध्यम से अपील किया।

उधोराम वर्मा ने इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी के निर्णय का स्वागत किया, साथ ही सभी सहकारी बैंको के शाखाओ मे धान खरीदी की रकम आहारन करने आने वाले सभी किसानों को साफा भेट कर श्रम के लिए सम्मान करने का निर्णय लिया। प्रत्येक जोन मे निरंतर बैठक आवश्यक रूप से लिया जाने का भी निर्णय लिया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक धनेन्द्र साहू ने कांग्रेस के मजबूती के लिए ब्लाक, जोन, बूथ एवं वार्डो की बैठक कर कांग्रेस को मजबूत करने की बात कही आगामी विधानसभा एवं लोक सभा चुनाव मे सभी सीटों को जितने एवं लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही। वही खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार के किये गयी कार्यो को जन-जन तक पहुचाने की अपील की।

प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू ने भूपेश बघेल के कार्यो को आकड़ो सहित प्रस्तुत कर विरोधियो को जवाब देने की बात कही पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा एवं धरसीवां विधायक श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा, जनक राम वर्मा ,बीरगांव महापौर नंदलाल देवांगन सहित लोगो ने बैठक को आने वाले विधानसभा सभा चुनाव की रणनीति पर अपना उद्बोधन जिला पदाधिकारियों को दिया।

बैठक मे उपस्थित ब्लॉक अध्यक्ष गण कोमल साहू, भारती देवांगन, दुर्गेश वर्मा, गिरधारी साहु, विद्याभूषण सोनवानी, योंगेंद्र सोलंकी, महेश अग्रवाल, मोहन लाल वर्मा, देव व्रत नायक, कृपा राम निषाद,चंद्रहास साहू, कन्हैया यादव, घनश्याम वर्मा, देवेंद्र मिश्रा, हरिशंकर निषाद, अरुण शुक्ला, दीपा साहु, लोकेश्वरी वर्मा, बसंत साहू, चुड़ामनी साहू, अश्वनी वर्मा, कमल भारती, संतोष पाल, आशीष दुबे, रंजीत गायकवाड़, कैलाश जायसवाल, भूषण साहू, राजू शर्मा, प्रणव सिंह, मंशा निर्मलकर, श्रवण निषाद सहित सैकड़ो की संख्या मे पदाधिकारीगण ऊपस्थित रहे।

भाजपा ने राज्यपाल को सौंपे पहाड़ी कोरवा परिवार की सामूहिक आत्महत्या के तथ्य

भूख से मौत को गले लगाने मजबूर हुआ गरीब परिवार, कांग्रेस के राज में पहाड़ी कोरवा मौत के लिए मजबूर- डॉ. रमन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा ने राज्यपाल से भेंट कर उन्हें जशपुर के बगीचा ब्लॉक में पहाड़ी कोरवा के परिवार के चार सदस्यों की भूख के कारण आत्महत्या करने के मामले में परिस्थितियों से अवगत कराया। भाजपा विधायकों एवं सांसदों ने उन्हें संबंधित सभी तथ्य सौंपे। भाजपा ने इस झकझोर देने वाले घटनाक्रम के तथ्य एकत्र करने जांच दल भेजा था, जिसकी रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपी गई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप, सांसद सुनील सोनी, पूर्व सांसद रामविचार नेताम, विधायक पुन्नूलाल मोहले, कृष्णमूर्ति बांधी, भाजपा सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव सहित भाजपा नेताओं ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें उस क्षेत्र की चिंताजनक परिस्थितियों से अवगत कराया। राज्यपाल से मुलाकात के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पहाड़ी कोरवा परिवार की आत्महत्या के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। हमने राज्यपाल से इस मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। पहाड़ी कोरवा परिवार को खाद्यान्न नहीं मिला। रोजगार नहीं है। जल जीवन मिशन राज्य सरकार के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। इन्हें पीने का पानी तक नसीब नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस के राज में यह हाल है कि राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवा को मौत के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कोई मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही। 2 अप्रैल को पहाड़ी कोरवा

परिवार की आत्महत्या की हृदय विदारक घटना सामने आई लेकिन मुख्यमंत्री ने वहां जाकर स्थिति देखने और पीड़ित परिवार से मिलने की जरूरत नहीं समझी। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि वहां मौके पर गई टीम ने जो देखा, उसकी रिपोर्ट राज्यपाल को दी है। रोजगार मूलक काम नहीं हो रहे। समय पर खाद्यान्न न मिलने से भूख के कारण यह घटना हुई। पानी की व्यवस्था नहीं है। विकास के काम नहीं हो रहे। केंद्र के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। जिसके राज में भूख के कारण कोई आत्महत्या करे, उस मुख्यमंत्री को एक मिनट भी पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा ने राज्यपाल को बताया कि जशपुर जिले के बगीचा ब्लॉक के झुमरीडूमर पंचायत आश्रित सामरबार गांव के पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवार द्वारा सामूहिक आत्महत्या की जांच के तथ्यों से अवगत कराते हुए राज्यपाल को बताया गया कि राजू राम (30), उनकी पत्नी भिनसारी बाई (25), पुत्री देवंती (03) और पुत्र देवन राम (1.5) मृतकों में शामिल हैं। जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सामरबार में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र के रूप में पहजाने जाने वाले पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवार द्वारा 2 अप्रैल 2023 को सामूहिक आत्महत्या की हृदय विदारक घटना पर प्रदेश भाजपा द्वारा चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। जांच समिति के सदस्यों द्वारा 7 अप्रैल 2023 को गांव पहुंच कर जांच की गई, जिसमें तथ्य सामने आए हैं कि गांव में 35 पहाड़ी कोरवा जनजाति एवं 5 भुईहार जाति के परिवार निवासरत हैं लेकिन गांव से लगभग 1 किलोमीटर दूर एक मात्र हैंडपंप है जिससे पीने का पानी भरा जाता है। गांव में जल जीवन मिशन का कार्य अधूरा पड़ा है। केवल सामरबार गांव ही नहीं बल्कि पूरा बगीचा ब्लॉक विकास कार्य में पिछड़ा हुआ है। यहां के 137 गांव में से 114 गांवों में सड़क ही नहीं है। गांव में राशन की दुकान नहीं होने के कारण ग्रामीणों को राशन के लिए 10 किलोमीटर दूर जंगल मार्ग से होकर बिना किसी साधन के जाना पड़ता है। शासकीय स्कूल नहीं होने के कारण बच्चों को पढ़ाई के लिए पहाड़ी चलकर 10 किलोमीटर दूर पढ़ने जाना पड़ता है। पहाड़ी कोरवा जनजाति के संरक्षक बहोरा निवासी श्री जयनाथ राम बैगा ने बताया कि गांव में स्थित शासकीय आश्रम शाला में केवल पांचवी तक की शिक्षा व्यवस्था है। यहां पदस्थ शिक्षक शराब पीकर आते हैं। आश्रम शाला का उन्नयन कर हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल तक की शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं है। गांव में निवासरत पहाड़ी कोरवा जनजातियों के अभी तक जाति प्रमाण पत्र नहीं बनाए गए हैं।

पहाड़ी कोरवा की मौत पर भाजपा ओछी राजनीति कर रही है

पहाड़ी कोरवा राजू और उनके परिवार की मौत पर भाजपा स्तरहीन और झूठ की राजनीति कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा नेता

राजभवन जाकर आरोप लगा रहे कि मृतक ने आर्थिक तंगी और भूख के कारण आत्महत्या किया। जबकि हकीकत यह है कि मृतक के पास पर्याप्त राशन आदि की व्यवस्था थी। भाजपा उनकी मौत पर राजनीति कर रही है। मृतक परिवार को सारी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा था। उनके पास राशन कार्ड भी था। आपसी विवाद और पारिवारिक क्लेश के कारण हुई घटना पर भाजपा घृणित राजनीति कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि मृतक के परिवार का अंत्योदय राशन कार्ड बना था। जिसमें 19.03.2023 को अंतिम बार 35 किलो चावल नि:शुल्क, 2 किलो नमक नि:शुल्क, 2 किलो चना 10 रू. में मिला था। दोनों बच्चों का नाम आंगनबाड़ी केन्द्र में दर्ज था। दोनों रेडी टू ईट मिल रहा था। उनके परिवार का आयुष्मान कार्ड बना है। मनरेगा जाब कार्ड था जिसमें 6 मजदूरी कार्य दिवस की मजदूरी 23.03.2023 को खाता जमा हुई है। उसके नाम का 2018 में आवास तैयार था जिसमें वह निवासरत था।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

शंकराचार्य की दो टूक !

पिछले दिनों पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने रायपुर प्रवास के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए रायपुर में कुछ महत्वपूर्ण बातें कहीं । उस पर गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। उन्होंने तीन चार मुद्दे उठाए। उन पर फिर कभी अपनी बात रखूँगा, फिलहाल एक मुद्दे पर ही यहां बात करना चाहता हूँ। उन्होंने दो टूक कहा कि %%नक्सलवाद को पनपने देने में पक्ष और विपक्ष के राजनेताओं का सहयोग है । ये लोग अगर नक्सलियों से हाथ मिलाना बंद कर दें,तो नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। हालांकि उनका यह आरोप पूरी तरह से सच नहीं है। मुझे नहीं लगता कि कोई भी राजनेता चाहेगा की नक्सलवाद पनपता रहे। नक्सलियों ने जिस क्रूरता के साथ बड़े-बड़े नेताओं और सुरक्षाकर्मियों की हत्याएं की हैं, उसे देखते हुए यह आरोप लगा देना कि नक्सलियों को राजनेताओं का सहयोग मिल रहा है, अती होगी। हाँ,मैं यह मानता हूँ कि नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में हमारे राजनेता गंभीर नहीं रहे। पन्द्रह साल तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी। वह भी उदासीन रही और वर्तमान कांग्रेस सरकार भी केवल बयानबाजी तक सीमित है । जबकि सरकार को निरंतर सुझाव दिया जाता रहा है कि नक्सलियों के साथ वार्ता करनी चाहिए,यह वार्ता त्रिपक्षीय वार्ता भी हो सकती है, जिसमें सत्तापक्ष के नेता रहें, विपक्ष के लोग भी रहें, नक्सली भी रहे और सामाजिक कार्यकर्ता भी। आखिर कोई बड़ी बात नहीं कि नक्सल समस्या खत्म न हो। नक्सलियों के जो मुद्दे हैं, उन मुद्दों पर बात हो ।उनका समाधान हो, तो बात खत्म हो जाएगी। लेकिन नक्सलियों को सिर्फ माफिया बनकर राज करना है तो यह अलग बात है। आज भी नक्सली बस्तर में आतंक फैला रहे हैं। ग्रामीणों की पिटाई कर रहे हैं ।मुखबिरी के शक में लोगों की हत्या कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जवानों की मौका पाते ही उनकी जान ले रहे हैं। नक्सलवाद का यह एक वीभत्स से चेहरा है जिसे फौरन से पेश्तर खत्म करने की आवश्यकता है। अगर शंकराचार्यजी राजनेताओं पर आरोप लगा रहे हैं तो उन्हें आत्ममंथन करना चाहिए कि ऐसी नौबत क्यों आई। क्यों लोग राजनेताओं पर शक कर रहे हैं ।इसका सबसे बड़ा कारण यही है राष्ट्रीय समस्या पर गंभीरतापूर्वक ध्यान ही नहीं दिया जा रहा। देश में हिंदू-मुसलमान का झगड़ा कोई समस्या नहीं है । यह तो स्थाई सिर दर्द है जो आजादी के बाद से लगातार बना हुआ है। इसे भी हमें झेलते रहना होगा, लेकिन नक्सलवाद को अब झेलना कठिन होता जा रहा है। बस्तर के विकास कार्य रुके हुए हैं। झारखंड में भी यही हालत है। नक्सली विकास के विरोधी हैं क्योंकि उन्हें पता है अगर सड़कें बन जाएंगी, आवागमन होने लगेगा, कारखाने खुलेंगे तो बस्तर का जनजीवन निरंतर खुशहाल होता चला जाएगा ।आज बस्तर के सुदूर गांव में रहने वाले आदिवासी भाई-बहनों को बाजार आकर सौदा-सुलफ़ करने के लिए घंटों पैदल चलना पड़ता है ।उन रास्तों पर पाँच दिन तक पदयात्रा करके मैंने और मेरे कुछ पत्रकार मित्रों ने सन 2014 में ही अनुभव किया था।ऊबड़ खाबड़ रास्तों या नालों को पार करके किस विषम स्थिति में हमारे आदिवासी बंधु बस्तर के हाट बाजार तक पहुंचते होंगे। अगर सड़कें बन जाएंगी, तो आदिवासी बंधु वाहनों के जरिए बाजार तक पहुंच सकेंगे। वनोपज बेच सकेंगे। लेकिन अभी यह संभव नहीं है। सिर्फ नक्सलियों के कारण। इसलिए ऐसे विकास विरोधी नक्सलियों का खात्मा बहुत जरूरी है। हालांकि कुछ नक्सली आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं ,लेकिन इसकी रफ्तार बहुत कम है। जो आत्मसमर्पण कर रहे हैं ,उनके भीतर मनुष्यता के संस्कार अंकुरित होते हैं। उन्हें पश्चाताप होता है कि वे बेवजह निर्दोषों का खून बहा रहे थे

हमें यह काम नहीं करना चाहिए । लेकिन जिनके हृदय में अभी भी पशुता व्याप्त है, वे सब नक्सलवाद से जुड़े हुए हैं, हत्या कर रहे हैं और सोचते हैं कि क्रांति हो रही है। अब समय आ गया है कि हम सब आदरणीय शंकराचार्य के आरोपों पर गंभीरतापूर्वक विचार करें और जितनी जल्दी हो सके नक्सलवाद को खत्म करने के लिए पहले तो संयुक्त सम्मेलन बुलवाएं, जिसमें हर दल के लोग शामिल हो ।उन सब से सुझाव आमंत्रित किए जाएं और हर दल के प्रतिनिधि एकत्र होकर नक्सलियों से बात करने के लिए बस्तर जाए। वहां जाकर नक्सलियों से पूछे तो सही कि पार्टनर! तुम्हारी पॉलिटिक्स क्या है ? जितनी जल्दी है यह कार्य संपन्न हो सके, उतना अच्छा है । नक्सलवाद खत्म होगा, तो छत्तीसगढ़ के हर नागरिक को प्रसन्नता होगी। पूरे देश को खुशी होगी ।शंकराचार्य जी को तो खैर होगी ही होगी।

चैम्बर पदाधिकारियों ने किया चैम्बर की छवि को आघात पहुँचाने का काम - सुंदरानी

रायपुर। साजा बेमेतरा की घटना के विरोध में आज सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ स्वमेव बंद रहा समस्त व्यापारी एवं व्यापारिक संघों के साथ पेट्रोल पम्प, स्कूल कॉलेज भी बंद रहे और जयस्तंभ चौक सहित अनेक जगहों पर चक्का जाम कर प्रदर्शन किया गया। यह आन्दोलन विश्व हिन्दू परिसद के तत्वाधान में किया गया जिस पर पूर्व चैम्बर अध्यक्ष व पूर्व विधायक श्रीचंद सुन्दरानी, चैम्बर के पूर्व चेयरमैन योगेश अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार राठी, राजेश वासवानी, वासु जोतवानी, राजेश गुरनानी, सुरेश मध्यान ने उन सभी व्यापारी एवं व्यापारिक संघों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस बंद को सफल बनाने में सहयोग किया। श्री सुन्दरानी ने कहा की चैम्बर का व्यवहार बंद के प्रति अशोभनीय था इससे चैम्बर की 50 साल में जो छवि बनी थी उसे चैम्बर अध्यक्ष द्वारा आघात पहुँचाने का कार्य किया गया। ऐसे अनेक अवसर आये हैं मेरे 30 साल के चैम्बर के कार्यकाल में की हमने बंद का त्वरित घटना पर त्वरित निर्णय लिया और बंद करवाया 72 घंटों का समय उन्हें लगता है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

भाजपा पूरे प्रदेश का माहौल खराब करने का षडयंत्र कर रही - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के

अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यजनक है अपने मूल चरित्र के अनुसार भाजपा एक बार फिर से प्रदेश में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने में लगी है। कांग्रेस पार्टी प्रदेश की जनता से अपील करती है कि वह भाजपा के बहकावे में न आये प्रदेश की शांति व्यवस्था भाईचारे की परंपरा को बनाये रखें। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ बंद के दौरान आरएसएस भाजपा और उनसे जुड़े संगठनों का आतंकी चरित्र प्रदेश की जनता ने देखा। यात्री बसो में तोड़फोड़ पथराव किया। ठेला और छोटी-छोटी गुमटी चलाकर अपना और अपने परिवार की भरण पोषण करने वाले गरीबो के ठेलो को भाजपाईयो ने तोड़ा, सब्जियों को पैरो से रौंदा, चाय वाले की भट्ठी में पानी डालकर उसके शक्कर, चायपत्ती को लूट ले गये, एक गरीब होटल वाले की आधी बनी सामाग्री आलू आदि को भी बंद करने निकले भाजपाई लूट कर ले गये। यह भाजपा का असली चरित्र है। हिन्दू के नाम पर दंगा फैलाने को कोशिश में लगे भाजपाईयों ने गरीब हिन्दूओं को प्रताड़ित किया।

प्रियंका गांधी के बस्तर दौरे पर सियासत, केदार कश्यप और मोहन मरकाम में जुबानी जंग

बस्तर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 13

अप्रैल को बस्तर के दौरे पर आ रहीं हैं. बीजेपी इस दौरे को लेकर बघेल सरकार पर हमलावर है. बीजेपी नेता केदार कश्यप इस दौरे के इंतजाम में सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि प्रियंका गांधी की सभा में भीड़ जुटाने के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके लिए बकायदा जनपद सीईओ और कई सरकारी अधिकारियों को भीड़ जुटाने का टारगेट दिया गया है. बकायदा इसके लिए सरकारी आदेश जारी किया गया है. आखिर प्रियंका गांधी, किस संवैधानिक पद पर है जो सरकारी विभागों को, दौरे के काम में लगाया गया है.यह कांग्रेस सरकार की असफलता का जीता जागता सबूत है. बस्तर और पूरी छत्तीसगढ़ की जनता इस नापाक इरादे को समझ चुकी है. कांग्रेस को आने वाले चुनाव में इसका भुगतान करना पड़ेगा। प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर केदार कश्यप के बयान पर पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने हमला बोला है. मोहन मरकाम ने कहा है कि 15 सालों तक भारतीय जनता पार्टी सरकार में थी. केदार कश्यप मंत्री थे।

राजधानी को कचराधानी बनाने में जुटे हैं महापौर - अकबर अली

रायपुर। भाजपा शहर जिला उपाध्यक्ष अकबर अली ने रायपुर शहर के भीतर कचरा डंप कराये जाने पर सख्त ऐतराज जताते हुए कहा है कि महापौर राजधानी की गरिमा के अनुरूप रायपुर को व्यवस्थित, सुंदर और विकसित स्वरूप तो दे नहीं पाए। राजधानी को कचराधानी में तब्दील कर आम जनता के स्वास्थ्य को जरूर दांव पर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैसे भी राजधानी में सलीके से सफाई न होने की वजह से लोग संक्रमण का शिकार हो रहे हैं। इस पर भी लापरवाही की हद यह है कि शहर के भीतर खुले मैदान में कचरे का पहाड़ खड़ा किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी के पैसे से सौंदर्यीकरण की आड़ में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हो रहा है। अब नगर निगम रायपुर बीच शहर में कचरा डंप कर राजधानी का विचित्र सौंदर्यीकरण कर रही है। सफाई व्यवस्था का अध्ययन करने के बहाने जनता के धन पर देश भर में पिकनिक मनाने वाली नगर निगम ने सफाई का यह अनोखा तरीका कहां से सीखा है, यह महापौर को बताना चाहिए। भाजपा शहर जिला उपाध्यक्ष अकबर अली ने कहा कि अपने नेताओं के इस्तकबाल में सड़क पर गुलाब की चादर बिछाने वाले महापौर शहर की जनता को कचरे की बदबू पेश कर रहे हैं। यह जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ है।

भाजयुमो पीएमओ का घेराव करें और 19 करोड रोजगार दिलाये - ठाकुर

रायपुर। भाजयुमो किस मुंह से बेरोजगारी भत्ता

की मांग कर रही। बेरोजगारी भत्ता की मांग करने वाले भाजयुमो को पीएमओ का घेराव करना चाहिए और युवाओ को 19 करोड़ रोजगार दिलाना चाहिये। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में करीब 30 लाख से अधिक पद रिक्त है उसमें भर्ती क्यो नही हो रही है?रेलवे में हर साल होने वाली तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की भर्ती क्यो बन्द है?सेना में होने वाली परमानेंट भर्ती के बजाये 4 साल के लिये हो रही भर्ती का भाजयुमो विरोध क्यो नही करती?सरकारी नोकरी में आरक्षित वर्गों को मिलने वाली आरक्षण की लाभ से वंचित रखने सरकारी संस्थाओं कम्पनियों का निजीकरण किया जा रहा है इस पर भाजयूमो मौन क्यो है? प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार बेरोजगार युवाओं से 9 साल में प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से लगभग 5000 करोड़ रुपए वसूल ली है लेकिन रोजगार देने में ठेंगा दिखा दी? प्रतियोगिता परीक्षा अन्य शैक्षणिक कार्यों से ट्रेन में यात्रा करने वाले युवाओं को जो छूट दी जाती थी उसे भी मोदी सरकार ने खत्म कर दिया है।भाजयुमो किस मुंह से खुद को ही युवाओं की हितैसी बताती हैं।

बिरनपुर हादसे ने प्रदेश के सौहार्द्र को कलंकित किया- रिजवी

रायपुर। मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद रिजवी ने बेमेतरा के बिरनपुर के मामूली विवाद से भड़की हिंसा को प्रदेश के सौहार्द्रपूर्ण वातावरण को कलंकित करने वाला घटना बताते हुए कहा है कि दो लड़कों के आपसी विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया जिसे दोनों समाज के समझदार लोग रोक सकते थे तथा एक युवक की हादसे में मौत दुखद है। सायकल से कट मारने के मामूली विवाद को तूल देकर हिंसा का रूप देना गलत है। साजा विधानसभा के परम्परागत् विधायक एवं मंत्री रविन्द्र चौबे सरल एवं मृदुभाषी व्यक्ति हैं तथा सर्वधर्मसमभाव के पोषक हैं। चौबे का पूरा परिवार राजनीति में रहा है तथा उस क्षेत्र में इस प्रकार की हिंसात्मक घटना घटित होना दुर्भाग्यपूर्ण है। रिजवी ने कहा है कि शासन-प्रशासन इस हिंसात्मक घटना को अंजाम देने वालों को चिन्हांकित कर ठोस कदम उठाऐं ताकि ऐसी अनहोनी घटना की पुनरावृत्ति न होने पाए। कुछ विध्वंसकारी तत्व ऐसी घटना को प्रचारित-प्रसारित कर प्रदेश के भाईचारे को नष्ट करने की मानसिकता रखते हैं तथा ऐन चुनावों के वक्त ऐसी घटनाओं को भड़काकर देश-प्रदेश को दो वर्गों में बांटने की एक मुहिम के तहत वर्ग विशेष को भड़काकर स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं परन्तु हमारा छत्तीसगढ़ शांति का टापू है तथा ऐसी स्तरहीन मानसिकता वाले लोगों की चाल कामयाब कतई नहीं होने दिया जाऐगा।

डब्ल्यू आर एस कॉलोनी रायपुर में नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केन्द्र शुरू

■ श्री कुलदीप जुनेजा ने विधायक निधि से 05 लाख के शेड निर्माण की घोषणा की

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार 09 अप्रैल को रायपुर के डब्ल्यू आर एस कॉलोनी, वीरांगना अवंती बाई वार्ड के माता मंदिर प्रांगण में 32 वें नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केन्द्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा रहे और अध्यक्षता छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा ने की। श्री कुलदीप जुनेजा ने योगाभ्यास केंद्र शुरू करने के लिए शुभकामनाएं देते हुए माता मंदिर प्रांगण में योगाभ्यास के लिए विधायक निधि से 05 लाख रुपये का शेड निर्माण करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि श्री ज्ञानेश शर्मा ने श्री जुनेजा की घोषणा के लिए उनका धन्यवाद देते हुए कहा कि शेड निर्माण हो जाने से लोग बिना किसी बाधा के योगाभ्यास कर पाएंगे। उन्होंने सभी लोगों को नियमित योगाभ्यास करने तथा परिवार के सदस्यों को भी योग के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रुप में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि श्री राधे श्याम विभार, छत्तीसगढ़ योग आयोग के सचिव श्री एम.एल. पांडेय, महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य श्री देवाशीष मुखर्जी सहित योग साधकगण और बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का संचालन योग प्रशिक्षक श्री आर.सी.एस. चंद्रवंशी द्वारा प्रतिदिन सुबह 06 से 07:30 बजे तक वीरांगना अवंती बाई वार्ड के माता मंदिर प्रांगण डब्ल्यू आर एस कॉलोनी, रायपुर में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के युवा किसान कर रहे हैं खेती में नवाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। कुछ समय पहले तक छत्तीसगढ़ के किसान धान की फसल के अलावा दूसरी फसलों के बारे में सोचते भी नहीं थे। लेकिन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के द्वारा किसानों के लिए शुरू की गयी जनहितकारी योजनाओं के चलते किसान अब नवाचार कर रहे हैं। धान के बदले दूसरी फसलें लेने के लिए शासन द्वारा शुरू की गयी योजना का लाभ लेकर किसान छत्तीसगढ़ जैसे गर्म प्रदेश में सेव की खेती कर रहे हैं। सेव की खेती ठंडे प्रदेशों में हो सकती है,इस मिथ्या को तोड़ने की कोशिश प्रतापपुर के एक युवा कृषक ने की है। मुकेश गर्ग नाम के कृषक ने सूरजपुर जिले के प्रतापपुर जैसी गर्म जगह में अलग-अलग किस्म के सेव के सौ से ज्यादा पौधे लगाए हैं और कुछ में तो फल भी आने शुरू हो गए हैं।कुछ हसों में ये पूरी तरह से तैयार होकर खाने लायक हो

जायंगे। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में कहीं भी सेव की खेती हो सकती है और ये किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

आमतौर पर सेव का फल हिमाचल प्रदेश,जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड जैसे कम तापमान वाले राज्यों में होते हैं क्योंकि वहां का मौसम सेव की खेती के लिए अनुकूल है। छत्तीसगढ़ का मौसम गर्म है उन्हें सेव के अनुकूल नहीं माना जाता और इसकी खेती सपने जैसी है।लेकिन अब गर्म स्थानों में भी सेव की खेती हो सकती है।

मुकेश गर्ग से मिली जानकारी के अनुसार खेती से उनका जुड़ाव शुरू से है,वे हमेशा कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। इस बीच उन्हें जानकारी मिली कि हिमाचल प्रदेश में सेव की ऐसी किस्म विकसित हुई है जो गर्म प्रदेशों में भी उग सकते हैं । मुकेश ने इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क किया और प्रतापपुर में सेव की नई किस्म के पौधे लगाए। उन्होंने इनके रोपण और रखवाली को लेकर उनसे और तरीके समझे तथा पौधे ऑर्डर किये इनका रोपण कराया। एक वर्ष की अवधि में ये पौधे चार से छह फीट के हो चुके हैं,कई में फल भी आ चुके हैं। पौधों की रखवाली और रोपण में तरीकों को लेकर उन्होंने बताया कि इसका मुख्य समय नवम्बर से फरवरी के बीच होता है।इसके लिए उन्होंने पहले से ही दो बाय दो फीट गड्ढे तैयार करके रखे थे और गड्ढों को दीमक रोधी दवा(रीजेंट) से उपचारित किया गया था। गड्ढों में गोबर,मिट्टी और थोड़ा सा डीएपी डालकर पानी से भरकर रखे गए थे।इसका फायदा यह होता है कि गड्ढों को जितना बैठना होता है बैठ जाता है और पौधे लगने के बाद इनके रेशे टूटने का डर नहीं होता है। इसके बाद 1-2 दिन में पौधे रोपित कर दिए थे।इनके लिए ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती है केवल गर्मियों में दो से तीन दिन में पानी देना होता है। इस बात का ध्यान रखना होता है कि पौधों में बारिश के पानी का रुकाव नहीं हो क्योंकि जड़ों के सड़ने का डर होता है। मुकेश गर्ग बताते हैं कि आमतौर पर सेव की फसल ठंडे प्रदेशों में होती है लेकिन सेव की फसल 'हरमन 99' के लिए अधिकतम 50 डिग्री तक का तापमान अनुकूल है। हरमन के साथ 'अन्ना' और 'डोरसेट' किस्म भी यहां के तापमान के अनुकूल है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.